website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 58 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 07 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

754 विमानों की जांच में 377 में बार-बार खराबी:

-एअर इंडिया और इंडिगो के आंकड़ों से हवाई सुरक्षा पर उठे सवाल

नई दिल्ली । देश में हवाई यात्रा को सबसे सुरक्षित परिवहन साधनों में गिना जाता है, लेकिन हाल ही में संसद में पेश किए गए आंकड़ों ने यात्रियों की चिंता बढ़ा दी है। सरकार ने स्वीकार किया है कि जनवरी 2025 से अब तक देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के कुल 754 विमानों की तकनीकी जांच में 377 विमानों में बार-बार आने वाली खराबियां (रिपीटेटिव डिफेक्ट) पाई गईं। इसका मतलब है कि जिन खामियों को एक बार ठीक किया गया, वे दोबारा भी सामने आईं। इससे विमान सुरक्षा व्यवस्था और रखरखाव प्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे ज्यादा मामला एअर इंडिया ग्रुप के विमानों में सामने आया। इसके 267 विमानों की जांच में 191 यानी करीब 72% में बार-बार तकनीकी खराबी दर्ज हुई। इसके बाद इंडिगो का नंबर आता है। इंडिगो के 405 विमानों में से 148 में 3 फरवरी 2025 तक रिपीटेटिव डिफेक्ट पाए गए। ये आंकड़े लोकसभा में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने साझा किए। उन्होंने बताया कि विमानन नियामक संस्था DGCA ने सुरक्षा को लेकर बड़े स्तर पर जांच अभियान चलाया था। DGCA की कार्रवाई भी काफी व्यापक रही। पिछले साल 3890 सर्विलांस इंस्पेक्शन, 56 ऑडिट, 492 रैंप चेक, 84 विदेशी विमानों की जांच, 874 स्पॉट चेक और 550 नाइट सर्विलांस किए गए। इन जांचों का मकसद उड़ानों की सेफ्टी और मेंटेनेंस सिस्टम की मजबूती को परखना था। इतनी बड़ी संख्या में निरीक्षण यह दिखाता है कि रेगुलेटर सतर्क है, लेकिन बार-बार सामने आ रही खराबियां यह भी बताती हैं कि मेंटेनेंस सिस्टम में सुधार की जरूरत बनी हुई है। एअर इंडिया ने इन आंकड़ों पर सफाई देते हुए कहा है कि ज्यादातर दिक्कतें "D कैटेगरी" की हैं, जिनका सीधा संबंध फ्लाइट सेफ्टी से नहीं है। एयरलाइन के अनुसार विमानों के इक्विपमेंट और सिस्टम को अर्जेंसी और असर के आधार पर A, B, C और D कैटेगरी में बांटा जाता है। D कैटेगरी में सीट, ट्रे टेबल, इन-फ्लाइट स्क्रीन जैसी सुविधाएं आती हैं। एयरलाइन का कहना है कि ये खामियां यात्रियों की सुविधा से जुड़ी हैं, न कि उड़ान की सुरक्षा से। साथ ही, आने वाले दो सालों में नैरो-बॉडी विमानों के रेट्रोफिट प्रोग्राम के जरिए इन समस्याओं को दूर करने की बात भी कही गई है। भारत में प्रमुख यात्री एयरलाइंस में इंडिगो, एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, AIX कनेक्ट, विस्तारा (जो एअर इंडिया में विलय प्रक्रिया में है), स्पाइसजेट, अकासा एयर और अलायंस एयर शामिल हैं।

नए डिप्टी सीएम के विरोध में मणिपुर के चूराचांदपुर में हिंसा

-पत्थरबाजी और आगजनी से हालात तनावपूर्ण

इंफाल । मणिपुर के चूराचांदपुर जिले में नए उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति के विरोध में गुरुवार शाम हिंसा भड़क उठी। हालात उस समय तनावपूर्ण हो गए जब नए डिप्टी सीएम नेमचा किपगेन और लोसी दिखो (लोधी दिखो) के शपथ ग्रहण के खिलाफ शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन उग्र रूप ले बैठा। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच टकराव हुआ, जिसमें पत्थरबाजी, आगजनी और सड़क जाम जैसी घटनाएं सामने आईं। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। हिंसा की मुख्य घटनाएं चूराचांदपुर जिले के तुइबोंग मेन मार्केट इलाके में हुईं, जहां सैकड़ों की संख्या में युवा प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को उनके बैरकों में लौटने के लिए दबाव बनाने की कोशिश की। जब सुरक्षा बलों ने पीछे हटने से इनकार किया, तो भीड़ ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। कई स्थानों पर सड़क के बीच टायर जलाकर रास्ता अवरुद्ध किया गया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। आदिवासी संगठन "जॉइंट फोरम ऑफ सेवन" ने कुकी-बहुल चूराचांदपुर जिले में शुक्रवार सुबह 6 बजे से 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है। बंद के ऐलान के बाद बाजारों और सार्वजनिक गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका है। कुछ कट्टरपंथी संगठनों की ओर से भड़काऊ घोषणाएं भी सामने आई हैं, जिनमें कुछ विधायकों के खिलाफ हिंसक बयान और इनाम की घोषणाएं शामिल हैं। प्रशासन ने ऐसे बयानों को गंभीरता से लेते हुए निगरानी बढ़ा दी है। विवाद की जड़ नई सरकार में कुकी समुदाय से आने वाली नेमचा किपगेन को डिप्टी सीएम बनाए जाने से जुड़ी है। कुकी समुदाय के भीतर इस फैसले को लेकर मतभेद उभर आए हैं। एक धड़ा इसे समुदाय के हित में उठाया गया कदम बता रहा है, जबकि दूसरा धड़ा इसे विश्वासघात करार दे रहा है। विरोध कर रहे संगठनों का आरोप है कि सरकार में शामिल होने से पहले समुदाय के व्यापक हितों और मौजूदा हालात पर पर्याप्त पारदर्शिता नहीं बरती गई। सरकार में शामिल होने जा रहे तीन कुकी-जोमी विधायकों—नेमचा किपगेन, एलएम खौटे और न्गुर्सांगलुर—को लेकर भी नाराजगी जताई जा रही है। कुछ संगठनों ने इन नेताओं के सामाजिक बहिष्कार की घोषणा तक कर दी है। उनका आरोप है कि इन विधायकों ने मैतेई नेतृत्व वाली सरकार के साथ गठबंधन कर समुदाय की भावनाओं की अनदेखी की है। वहीं समर्थक गुट का कहना है कि सरकार में भागीदारी से ही क्षेत्र की सुरक्षा, राहत और विकास सुनिश्चित हो सकेगा। स्थिति बिगड़ने के बाद असम राइफल्स और अन्य केंद्रीय बलों को क्षेत्र में तैनात किया गया। शुरुआती कोशिशों में सुरक्षाबलों को भीड़ को काबू करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। कुछ जगहों पर बलों को अस्थायी रूप से पीछे भी हटना पड़ा। बाद में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। देर रात तक इलाके में तनाव बना रहा और सुरक्षा एजेंसियां फ्लैग मार्च करती रहीं। कुकी समुदाय के नेताओं ने 2 फरवरी को बयान दिया था कि सरकार में शामिल होने का फैसला आपसी विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। हालांकि, दिल्ली में हुई बैठकों और बातचीत के बिंदुओं को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई, जिससे संदेह और असंतोष बढ़ा। यही अस्पष्टता अब विरोध की एक बड़ी वजह बन गई है। मणिपुर विधानसभा में कुल 10 कुकी विधायक हैं, जिनमें से 7 भाजपा से जुड़े हैं। हमार जनजाति के विधायक एन सेनाते भी भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा रहे हैं। नई राजनीतिक व्यवस्था में इन विधायकों की भूमिका और फैसलों को लेकर समुदाय के भीतर गहरी बहस चल रही है। दो दिन पहले ही राज्य में नई सरकार का गठन हुआ है। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह ने मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। वे मैतेई समुदाय से आते हैं। उनके साथ नगा समुदाय के नेता लोधी दिखो ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली, जबकि नेमचा किपगेन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शपथ ग्रहण किया और वे राज्य की पहली महिला डिप्टी सीएम बनीं।

हिमाचल के 14 जिलों में तापमान 5° से नीचे, यूपी-एमपी में घना कोहरा

-9 फरवरी से पहाड़ों पर बर्फबारी के आसार

शिमला । हिमाचल प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में ठंड ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी और मैदानी इलाकों में तापमान में गिरावट, घना कोहरा और आने वाले दिनों में बर्फबारी की संभावना ने जनजीवन पर असर डालना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार हिमाचल प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज किया गया है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में कड़ाके की सर्दी महसूस की जा रही है। विशेष रूप से ऊंचाई वाले क्षेत्रों के साथ-साथ कुछ निचले इलाकों में भी तापमान सामान्य से नीचे चल रहा है। मौसम विभाग ने हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और मंडी के निचले इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। सुबह और देर रात के समय दृश्यता काफी कम हो रही है, जिससे सड़क और हवाई यातायात प्रभावित होने की आशंका है। लोगों को बिना जरूरी काम के सुबह जल्दी यात्रा से बचने की सलाह दी गई है। मैदानी राज्यों की बात करें तो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश भी इस समय घने कोहरे की चपेट में हैं। उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में घना कोहरा दर्ज किया गया, जिससे कई जगह ट्रैफिक की रफ्तार धीमी रही। ट्रेन और बस सेवाओं पर भी असर देखा गया। वहीं मध्य प्रदेश के 30 जिलों में कोहरे का असर रहा। पिछले 24 घंटों में ग्वालियर सहित 8 शहरों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया, जो सामान्य से कम माना जा रहा है। उत्तराखंड में भी मौसम का मिजाज सर्द बना हुआ है। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में घने कोहरे की चेतावनी दी है। खास तौर पर पहाड़ी क्षेत्रों में ठंडी हवाओं के कारण ठंड और बढ़ गई है। ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान तेजी से गिर रहा है, जिससे बर्फ जमने की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ी राज्यों में 9 फरवरी से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। एक सक्रिय वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। उत्तराखंड में 3000 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

TrumpRx वेबसाइट लॉन्च: अमेरिकियों को सस्ती दवाएं दिलाने के लिए ट्रम्प की नई पहल

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में TrumpRx नाम की एक सरकारी वेबसाइट लॉन्च की है, जिसका मकसद अमेरिकियों को कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराने में मदद करना है। व्हाइट हाउस परिसर में वेबसाइट का अनावरण करते हुए ट्रम्प ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म से लोगों का हेल्थकेयर खर्च घटेगा और आम नागरिकों को सीधा फायदा मिलेगा। उनके शब्दों में, "आप बहुत सारा पैसा बचाने वाले हैं और यह पूरे हेल्थकेयर सिस्टम के लिए भी अच्छा है।" TrumpRx खुद दवाइयां नहीं बेचती, बल्कि यह एक क्लीयरिंगहाउस की तरह काम करती है। यानी यह यूजर्स को अलग-अलग दवा कंपनियों की आधिकारिक वेबसाइटों तक पहुंचाती है, जहां से वे दवाएं खरीद सकते हैं। इसके अलावा प्लेटफॉर्म पर रिटेल फार्मेसी में इस्तेमाल होने वाले डिस्काउंट कूपन भी उपलब्ध कराए जाते हैं, जिससे दवाओं की कीमत और कम हो सकती है। लॉन्च के समय वेबसाइट पर 40 से ज्यादा दवाओं को शामिल किया गया है। इनमें वजन घटाने वाली चर्चित दवाएं ओजेम्पिक और वेगोवी भी हैं, जिनकी ऊंची कीमतों को लेकर अमेरिका में काफी समय से बहस चल रही है। ट्रम्प का दावा है कि दवा कंपनियों पर उनके व्यक्तिगत दबाव और बातचीत के कारण यह छूट संभव हो पाई है। यह पहल ऐसे समय आई है जब अमेरिका में महंगाई और बढ़ती जीवनयापन लागत बड़ा सियासी मुद्दा बनी हुई है। दवाओं, इलाज, किराए और रोजमर्रा के सामान की बढ़ती कीमतें सरकार के लिए चुनौती मानी जा रही हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी नागरिक लंबे समय से दवाओं के लिए ज्यादा कीमत चुका रहे थे, जबकि दूसरे देशों में वही दवाएं सस्ती मिलती हैं।

मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाका:

-16 मजदूरों की मौत, कई के फंसे होने की आशंका, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

शिलांग । मेघालय के ईस्ट जैंतिया हिल्स जिले में एक अवैध कोयला खदान में हुए भीषण धमाके ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। गुरुवार सुबह थांग्स्कु इलाके में हुए इस हादसे में अब तक कम से कम 16 मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कई अन्य मजदूरों के अभी भी खदान के भीतर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद से राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है और प्रशासन ने पूरे इलाके को घेरकर अभियान तेज कर दिया है। राज्य की पुलिस महानिदेशक आई. नोंग्रांग के मुताबिक, धमाका खदान के अंदर खनन कार्य के दौरान हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। धमाके के समय खदान के भीतर कितने मजदूर काम कर रहे थे, इसका सटीक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। बचाव दल मलबा हटाने और अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश में जुटा है। हादसे की वजह क्या थी, इसे लेकर जांच शुरू कर दी गई है। ईस्ट जैंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार ने बताया कि एक घायल मजदूर को पहले सुतंगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए शिलांग के अस्पताल में रेफर किया गया। अन्य संभावित घायलों की भी तलाश की जा रही है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपदा राहत टीमें मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस दुखद हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया गया है। राज्य सरकार ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। यह हादसा एक बार फिर मेघालय में चल रही रैट-होल माइनिंग की खतरनाक हकीकत को सामने लाता है। रैट-होल माइनिंग में जमीन के अंदर बहुत संकरी सुरंगें खोदी जाती हैं, जिनकी ऊंचाई आमतौर पर सिर्फ 3 से 4 फीट होती है। मजदूर इन तंग सुरंगों में घुसकर हाथ से कोयला निकालते हैं। सुरंगें इतनी पतली होती हैं कि एक समय में केवल एक ही व्यक्ति अंदर जा सकता है। सुरक्षा के इंतजाम न के बराबर होते हैं, जिससे हादसे का खतरा हमेशा बना रहता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने साल 2014 में मेघालय में रैट-होल कोयला खनन और अन्य गैर-वैज्ञानिक तरीकों पर रोक लगा दी थी। यह प्रतिबंध पर्यावरण को हो रहे नुकसान और मजदूरों की जान की हिफाज़त के लिए लगाया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस रोक को बरकरार रखा और केवल वैज्ञानिक व नियमों के तहत खनन की अनुमति दी।

पीएम की स्पीच टली: स्पीकर बोले—अनहोनी की आशंका थी, विपक्ष पर हमले की प्लानिंग का आरोप

नई दिल्ली । लोकसभा में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित संबोधन के टलने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के बयान और न्यूज एजेंसी के सूत्रों के हवाले से आई खबरों ने सियासी माहौल को और गरमा दिया है। स्पीकर ने कहा कि सदन में ऐसी स्थिति बन गई थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कोई "अप्रत्याशित घटना" हो सकती थी, इसलिए उन्होंने स्वयं पीएम से उस दिन सदन में न आने का आग्रह किया और भाषण टाल दिया गया। वहीं विपक्ष ने इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज किया है। घटना की पृष्ठभूमि 5 फरवरी की है, जब प्रधानमंत्री मोदी को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर शाम 5 बजे जवाब देना था। लेकिन सदन में विपक्षी सांसदों, विशेषकर महिला सांसदों के हंगामे और नारेबाजी के कारण कार्यवाही बाधित हो गई। स्थिति को देखते हुए पीठासीन अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित कर दी, जिससे प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं हो सका। बाद में धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पारित करा लिया गया। बताया जा रहा है कि 2004 के बाद यह पहला अवसर है जब धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पारित हुआ। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने गुरुवार को इस पूरे घटनाक्रम पर विस्तार से टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सदन में जो स्थिति बनी, वह संसदीय इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई। उनके अनुसार, जब प्रधानमंत्री को जवाब देना था, उस समय कुछ विपक्षी सांसद उनकी सीट के पास तक पहुंच गए थे, जिससे सुरक्षा और गरिमा दोनों को लेकर चिंता पैदा हुई। स्पीकर ने कहा कि उन्हें आशंका थी कि माहौल बिगड़ सकता है और कोई अनहोनी हो सकती है, इसलिए उन्होंने एहतियातन प्रधानमंत्री का संबोधन टालने का निर्णय लिया। स्पीकर ने यह भी कहा कि पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर सदन में आने से कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकती। उन्होंने विपक्षी सांसदों को नसीहत देते हुए कहा कि विरोध दर्ज कराना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सदन की मर्यादा और नियमों का पालन करना भी उतना ही जरूरी है। उनके मुताबिक, जिस तरह से कुछ सदस्य प्रधानमंत्री की सीट तक पहुंच गए, वह न तो उचित था और न ही संसदीय परंपराओं के अनुकूल। इसी बीच न्यूज एजेंसी ANI ने सूत्रों के हवाले से यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान कांग्रेस के कुछ सांसदों द्वारा तीव्र विरोध या टकराव की योजना होने की आशंका जताई गई थी। हालांकि यह जानकारी आधिकारिक बयान के रूप में सामने नहीं आई है, बल्कि "सूत्रों" के हवाले से बताई गई है। कांग्रेस पार्टी की ओर से इस तरह की किसी भी योजना के आरोपों को निराधार और भ्रामक बताया गया है। विपक्ष का कहना है कि सरकार अपनी असहजता और जवाबदेही से बचने के लिए ऐसे आरोप गढ़ रही है। सदन में हंगामे के बीच स्पीकर को कई बार कार्यवाही रोकनी पड़ी। लगातार शोर-शराबे और नारेबाजी के चलते उन्होंने अंततः लोकसभा की बैठक को शुक्रवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया।

रूस का बयान: भारत किसी भी देश से तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र

-रोक पर कोई आधिकारिक सूचना नहीं

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने साफ कहा है कि भारत किसी भी देश से कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) खरीदने के लिए पूरी तरह आज़ाद है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रूस कभी भी भारत का एकमात्र एनर्जी पार्टनर नहीं रहा। भारत अपनी जरूरत, कीमत और रणनीतिक हितों के आधार पर फैसले लेता है। अगर वह दूसरे देशों से तेल खरीदता है तो इसे सामान्य व्यापारिक फैसला माना जाना चाहिए। पेस्कोव ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत ने रूस से तेल खरीद बंद करने को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की खबरें मीडिया में चल रही हैं, लेकिन नई दिल्ली की तरफ से ऐसा कोई ऑफिशियल मैसेज नहीं आया। एक दिन पहले भी उन्होंने यही बात दोहराई थी कि भारत-रूस ऊर्जा सहयोग पहले की तरह जारी है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि भारत, अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के तहत रूस से तेल खरीदना बंद करने को तैयार हो गया है। ट्रम्प ने कहा था कि नई व्यापार डील के तहत भारतीय सामानों पर टैरिफ 50% से घटाकर 18% किया गया है। उनके मुताबिक इसके बदले भारत रूस से तेल आयात रोकने और व्यापारिक रुकावटें कम करने पर राजी हुआ है। हालांकि रूस ने इन दावों को अप्रत्यक्ष रूप से संतुलित किया है।

ईरान में संकट: अमेरिका ने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने को कहा, आज परमाणु वार्ता

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान में रह रहे अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सख्त चेतावनी जारी की है। वर्चुअल अमेरिकी एंबेसी ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि ईरान में सुरक्षा हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और किसी भी वक्त स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए अमेरिकी नागरिक बिना देर किए खुद अपना सुरक्षित निकास प्लान बनाएं और देश से बाहर निकलने की कोशिश करें। एंबेसी ने यह भी साफ किया है कि मौजूदा हालात में अमेरिकी सरकार की तरफ से सीधी मदद बहुत सीमित है, इसलिए सरकारी सहायता का इंतजार करना जोखिम भरा हो सकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि ईरान के कई हिस्सों में अशांति, विरोध प्रदर्शन और प्रशासनिक पाबंदियां बढ़ गई हैं। कई शहरों में सड़कें बंद हैं, चेकिंग कड़ी कर दी गई है और आवाजाही पर निगरानी बढ़ा दी गई है। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हैं। इंटरनेट, मोबाइल और लैंडलाइन नेटवर्क भी बार-बार बाधित हो रहे हैं, जिससे संपर्क करना मुश्किल हो रहा है। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने ईरान के लिए अपनी उड़ानें रद्द या सीमित कर दी हैं, जिससे बाहर निकलने के विकल्प कम हो गए हैं। अमेरिकी एंबेसी ने अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहें, स्थानीय हालात पर नजर रखें और जरूरी दस्तावेज हमेशा तैयार रखें। साथ ही वैकल्पिक यात्रा मार्गों की जानकारी पहले से जुटाने को कहा गया है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

धरातल पर असर दिखाएँ—ऐसे हों शिक्षा और खाद्य सुरक्षा के कानून

कानून तभी असरदार माने जाते हैं जब उनका लाभ सीधे ज़मीन पर दिखे और आम आदमी की ज़िंदगी में वास्तविक बदलाव लाए। हमारे देश में शिक्षा और खाद्य सुरक्षा को अलग-अलग समय पर मौलिक अधिकार का दर्जा मिला। कागज़ पर यह बड़ी उपलब्धि लगती है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या इन अधिकारों का फायदा हर ज़रूरतमंद तक बराबरी से पहुंच पाया है? हकीकत यह बताती है कि कानून बनाना आसान है, लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना सबसे बड़ी चुनौती है। शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने का मकसद था कि हर बच्चे को समान और गुणवत्तापूर्ण तालीम मिले। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि समानता की शुरुआत स्कूलों से होती है। इसके बाद संविधान में संशोधन हुआ और शिक्षा का अधिकार कानून लागू किया गया। मगर आज भी सरकारी और निजी स्कूलों के बीच गहरी खाई साफ दिखाई देती है। निजी शिक्षा लगातार महंगी होती गई और मध्यम व गरीब वर्ग की पहुंच से दूर होती चली गई। सरकारी स्कूलों में कई जगह ढांचा, शिक्षक और संसाधनों की कमी है। ऐसे में कानून तो मौजूद है, लेकिन उसका असर बराबरी के स्तर पर नज़र नहीं आता। खाद्य सुरक्षा कानून का उद्देश्य था कि कोई भी नागरिक भूखा न सोए। इसे जीवन के अधिकार से जोड़ा गया और बड़ी आबादी को सस्ती या मुफ्त दर पर अनाज उपलब्ध कराया गया। लेकिन पोषण केवल अनाज से पूरा नहीं होता। कुपोषण आज भी देश की बड़ी समस्या है, खासकर बच्चों और महिलाओं में। भोजन की गुणवत्ता, पोषक तत्व, साफ पानी और स्वास्थ्य सेवाएं — ये सब मिलकर खाद्य सुरक्षा को पूरा बनाते हैं। केवल कुछ किलो अनाज दे देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। अब यह सोच उभर रही है कि इन कानूनों को सिर्फ अधिकार के रूप में घोषित करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि इनके अमल के लिए मजबूत और समयबद्ध व्यवस्था बनानी होगी। सरकार यदि इन कानूनों में बदलाव कर क्रियान्वयन को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाना चाहती है तो यह स्वागतयोग्य कदम हो सकता है। डिजिटल मॉनिटरिंग, रियल टाइम डेटा और ज़मीनी स्तर पर निगरानी से योजनाओं की प्रगति को ट्रैक किया जा सकता है। इससे गड़बड़ी, फर्जी लाभार्थी और संसाधनों की बर्बादी कम हो सकती है। साथ ही यह भी ज़रूरी है कि योजनाएं सबके लिए खुली होने के बावजूद वास्तविक हकदारों की सही पहचान हो। कई बार देखा गया है कि जिन लोगों को सबसे ज्यादा मदद की ज़रूरत है, वे प्रक्रिया की जटिलता या जानकारी के अभाव में पीछे रह जाते हैं, जबकि सक्षम लोग लाभ उठा लेते हैं। इसलिए लाभार्थियों की पहचान का सिस्टम मजबूत और निष्पक्ष होना चाहिए। लोकतंत्र में कानून का असली मतलब तभी है जब वह सिर्फ घोषणा न होकर बाध्यकारी व्यवस्था बने। राज्यसत्ता पर यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह कानूनों को लागू करने के लिए संसाधन, ढांचा और जवाबदेही तय करे। शिक्षा और खाद्य सुरक्षा जैसे अधिकार देश के भविष्य से जुड़े हैं। इन्हें केवल नीयत से नहीं, बल्कि ठोस अमल से मजबूत करना होगा।

तमिलनाडु चुनाव का संग्राम: त्रिकोणीय मुकाबले से बदल सकते हैं दक्षिण और राष्ट्रीय राजनीति के बड़े समीकरण इस बार

-द्रमुक, अन्नाद्रमुक, भाजपा और विजय फैक्टर से त्रिशंकु विधानसभा की संभावना मजबूत दिख रही है

भारत की राजनीति में दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु, हमेशा एक अलग मिज़ाज और अलग पहचान वाला राज्य रहा है। यहां की सियासत लंबे समय से द्रविड़ विचारधारा, क्षेत्रीय अस्मिता, भाषा और सांस्कृतिक गौरव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन आने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों को लेकर जो राजनीतिक हलचल दिख रही है, वह संकेत देती है कि इस बार मुकाबला परंपरागत नहीं रहने वाला। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सरकार बनाने का सवाल नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति के समीकरणों को भी गहराई से प्रभावित कर सकता है। तमिलनाडु में दशकों से द्रमुक (DMK) और अन्नाद्रमुक (AIAD-MK) के बीच सीधा मुकाबला होता रहा है। जनता ने भी इन दोनों द्रविड़ दलों को बारी-बारी से सत्ता सौंपी है। लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। नेतृत्व का संकट, नए राजनीतिक चेहरे, गठबंधन की नई बिसात और जनता की बदलती सोच — ये सब मिलकर एक त्रिकोणीय या बहुकोणीय मुकाबले की जमीन तैयार कर रहे हैं।

द्रविड़ राजनीति का बदलता चेहरा

तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय तक करिश्माई नेताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही। सीएन अन्नादुरै, एमजी रामचंद्रन, एम. करुणानिधि और जयललिता जैसे नेताओं ने न सिर्फ चुनाव जीते, बल्कि जनता के दिलों पर राज किया। इन नेताओं की छवि पार्टी से भी बड़ी थी। जनता का भरोसा व्यक्ति पर था, सिर्फ संगठन पर नहीं। आज हालात अलग हैं। द्रमुक के पास एमके स्टालिन हैं, जो अनुभवी नेता हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व को करुणानिधि जैसी सर्वस्वीकार्य आभा नहीं मिली। दूसरी तरफ अन्नाद्रमुक जयललिता के बाद लगातार नेतृत्व संकट से जूझ रही है। पार्टी के अंदर गुटबाजी, मतभेद और रणनीतिक असमंजस साफ दिखाई देता है। यही कारण है कि परंपरागत द्विध्रुवीय राजनीति की पकड़ कमजोर होती दिख रही है।

सत्तारूढ़ द्रमुक की चुनौतियां

विधानसभा की 234 सीटों वाले तमिलनाडु में द्रमुक अभी मजबूत स्थिति में मानी जाती है। उसके पास ठोस संगठन, गठबंधन का समर्थन और सरकारी मशीनरी का अनुभव है। लेकिन सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इंकम्बेंसी) का खतरा हर सत्तारूढ़ दल के सामने रहता है। द्रमुक सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप, कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल, और परिवारवाद की चर्चा विपक्ष को मुद्दे दे रहे हैं। स्टालिन द्वारा अपने बेटे उदयनिधि स्टालिन को तेजी से आगे बढ़ाना भी राजनीतिक बहस का विषय बना हुआ है। समर्थक इसे नेतृत्व की तैयारी बताते हैं, जबकि विरोधी इसे वंशवाद का उदाहरण कहते हैं। उदयनिधि ने खुद को भाजपा-विरोधी राजनीति का प्रमुख चेहरा बनाया है। उनकी बयानबाजी और आक्रामक प्रचार शैली द्रमुक के कोर वोट बैंक को मजबूत करती है, लेकिन कुछ मध्यमार्गी मतदाताओं को असहज भी कर सकती है।

अन्नाद्रमुक की स्थिति: अवसर और असमंजस

अन्नाद्रमुक के सामने सबसे बड़ी दिक्कत नेतृत्व की है। जयललिता के बाद पार्टी एक मजबूत, सर्वमान्य चेहरा खड़ा नहीं कर पाई। ईपीएस (एडप्पडी पलानीस्वामी) और अन्य नेताओं के बीच शक्ति संतुलन की राजनीति ने संगठन को कमजोर किया है। यह पार्टी द्रमुक के खिलाफ माहौल का पूरा फायदा उठा सकती थी, लेकिन अंदरूनी खींचतान ने उसकी धार कम कर दी। कार्यकर्ताओं में उत्साह है, लेकिन स्पष्ट रणनीति और मजबूत नेतृत्व की कमी महसूस होती है। यही खाली जगह अब नए खिलाड़ी भरने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा की रणनीति: जड़ें जमाने की कोशिश

भाजपा के लिए तमिलनाडु हमेशा एक कठिन प्रदेश रहा है। यहां की राजनीति द्रविड़ पहचान और सामाजिक न्याय के नारे पर खड़ी रही है, जबकि भाजपा की वैचारिक लाइन अलग रही है। इसके बावजूद भाजपा पिछले कुछ वर्षों से लगातार संगठन विस्तार में लगी है। भाजपा का लक्ष्य सिर्फ सीटें जीतना नहीं, बल्कि अपने लिए स्थायी राजनीतिक जमीन बनाना है। वह सामाजिक समीकरणों — जैसे गौंडर, वाणियार और अन्य प्रभावशाली समुदायों — को साधने की कोशिश कर रही है। गठबंधन राजनीति के जरिए वह द्रमुक के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा करना चाहती है। भाजपा के पास अभी तमिलनाडु में कोई ऐसा करिश्माई स्थानीय चेहरा नहीं है जो राज्यव्यापी असर रखता हो। इसलिए वह गठबंधन और केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति के सहारे चुनावी प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में है। अगर त्रिशंकु विधानसभा की स्थिति बनती है, तो भाजपा "किंगमेकर" की भूमिका निभाने की उम्मीद रखती है।

कांग्रेस की मजबूरी और गणित

तमिलनाडु में कांग्रेस लंबे समय से द्रमुक के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती रही है। उसका अपना स्वतंत्र जनाधार सीमित है। लोकसभा चुनावों में उसे जो सफलता मिलती है, वह भी गठबंधन के कारण ही संभव होती है। अगर द्रमुक कमजोर होती है, तो कांग्रेस पर भी सीधा असर पड़ेगा। इसलिए कांग्रेस के लिए द्रमुक का मजबूत रहना राजनीतिक जरूरत भी है। हालांकि पार्टी के अंदर कुछ आवाजें यह भी कहती हैं कि उसे स्वतंत्र पहचान बनाने की कोशिश करनी चाहिए, लेकिन ज़मीनी हकीकत गठबंधन की मजबूरी दिखाती है।

विजय की एंट्री: तीसरा कोण और नई बेचैनी

तमिल सुपरस्टार विजय की राजनीति में एंट्री ने पूरे समीकरण को हिला दिया है। उनकी पार्टी — तमिलगा वेत्री कषगम (TVK) — अभी नई है, लेकिन लोकप्रियता तेजी से बढ़ती दिख रही है। फिल्मी दुनिया से राजनीति में आने की परंपरा तमिलनाडु में नई नहीं है। एमजीआर और जयललिता इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। विजय की लोकप्रियता खासकर युवाओं, महिलाओं और दलित वर्ग में बताई जा रही है। उनकी साफ-सुथरी छवि, सीमित बयानबाजी और रहस्यमय राजनीतिक स्टाइल लोगों की जिज्ञासा बढ़ा रही है। कई सर्वे उन्हें उल्लेखनीय समर्थन मिलता दिखा रहे हैं। अगर यह समर्थन वोट में बदल गया, तो चुनावी नतीजे पूरी तरह बदल सकते हैं। हालांकि विजय के सामने चुनौतियां भी कम नहीं — मजबूत संगठन, बूथ स्तर का नेटवर्क, प्रशिक्षित उम्मीदवार और चुनावी मशीनरी — ये सब रातों-रात खड़े नहीं होते। लेकिन जनता का गुस्सा और बदलाव की चाह कई बार संगठन की कमजोरी पर भी भारी पड़ जाती है।

त्रिकोणीय मुकाबला और त्रिशंकु विधानसभा की संभावना

अब जो तस्वीर बन रही है, उसमें तीन बड़े ध्रुव दिख रहे हैं — द्रमुक गठबंधन, अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन, और विजय का नया मोर्चा। अगर तीनों को उल्लेखनीय वोट मिलते हैं, तो वोटों का बंटवारा तय है। ऐसी स्थिति में कोई भी दल स्पष्ट बहुमत से दूर रह सकता है। त्रिशंकु विधानसभा की संभावना इसलिए भी बढ़ती दिखती है क्योंकि: द्रमुक के खिलाफ असंतोष है, अन्नाद्रमुक पूरी तरह संगठित नहीं, भाजपा विस्तार के दौर में,विजय नया विकल्प बनकर उभरे हैं, युवा वोटर पारंपरिक दलों से थका हुआ है, ऐसी हालत में छोटी सीटों का अंतर सरकार का फैसला करेगा।

राष्ट्रीय राजनीति पर असर

तमिलनाडु का चुनाव केवल राज्य तक सीमित नहीं रहेगा। इसके राष्ट्रीय असर भी होंगे। पहला असर: लोकसभा में द्रमुक की मजबूत उपस्थिति है। अगर राज्य में उसकी स्थिति कमजोर होती है, तो राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी राजनीति को झटका लगेगा। दूसरा असर: भाजपा अगर यहां अपना आधार बढ़ाती है, तो दक्षिण भारत में उसका विस्तार मजबूत होगा। अभी तक दक्षिण में उसकी पकड़ सीमित राज्यों तक है। तीसरा असर: क्षेत्रीय दलों की ताकत और भविष्य का मॉडल तय होगा — क्या करिश्माई व्यक्ति आधारित राजनीति लौटेगी या संगठन आधारित राजनीति मजबूत होगी? चौथा असर: गठबंधन युग की राजनीति को नई दिशा मिल सकती है। अगर त्रिशंकु स्थिति बनती है, तो पोस्ट-पोल गठबंधन का नया अध्याय खुलेगा।

मुद्दों की असली जमीन

इस चुनाव को केवल पहचान, भाषा या उत्तर-दक्षिण बहस तक सीमित नहीं माना जा सकता। असली मुद्दे होंगे: रोजगार, महंगाई, सामाजिक न्याय, शिक्षा और स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं की विश्वसनीयता, मतदाता अब ज्यादा जागरूक है।

वह भावनात्मक नारों के साथ-साथ नतीजे भी देखना चाहता है। तमिलनाडु की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी है। द्रविड़ दलों का परंपरागत वर्चस्व चुनौती में है।

एआई के दौर में श्रम की अस्मिता, रोजगार, गरिमा और मानव पहचान पर गहराता संकट और भविष्य का सवाल आज

-तकनीकी क्रांति के बीच काम, आय और सामाजिक स्थिरता के मॉडल पर नई बहस जरूरी

मनुष्य के जीवन में "काम" सिर्फ रोज़ी कमाने का ज़रिया नहीं रहा, बल्कि यह उसकी पहचान, गरिमा और सामाजिक अस्मिता का आधार भी रहा है। किसी व्यक्ति से जब पूछा जाता है कि वह क्या करता है, तो उसका जवाब उसके पेशे से शुरू होता है। काम मनुष्य को उद्देश्य देता है, समाज से जोड़ता है और उसे उपयोगी होने का एहसास कराता है। लेकिन आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा-बेस्ड सिस्टम्स (डीएस) के तेज़ विस्तार ने इस बुनियादी ढांचे को चुनौती दे दी है। सवाल उठ रहा है—क्या तकनीक इंसान के श्रम को अप्रासंगिक बना देगी? और अगर ऐसा हुआ तो इसका असर केवल अर्थव्यवस्था पर नहीं, बल्कि इंसानी अस्मिता पर भी पड़ेगा। जिसे हम एआई कहते हैं, वह दरअसल डेटा पर आधारित ऐसे सिस्टम्स का समूह है, जो सीख सकते हैं, फैसले ले सकते हैं और कई मामलों में इंसानी दिमाग जैसा काम कर सकते हैं। ये सिस्टम्स बिज़नेस, हेल्थ, एजुकेशन, मीडिया, कानून, फाइनेंस और क्रिएटिव फील्ड तक में गहरी पैठ बना चुके हैं। कंपनियां इन्हें इसलिए अपना रही हैं क्योंकि ये तेज़ हैं, कम लागत वाले हैं और लगातार काम कर सकते हैं। नतीजा यह है कि उत्पादकता बढ़ रही है, नए बिज़नेस मॉडल बन रहे हैं और ग्लोबल इकोनॉमी की शक्ल बदल रही है। तकनीक के समर्थक कहते हैं कि हर तकनीकी क्रांति के समय यही डर पैदा हुआ कि नौकरियां खत्म हो जाएंगी, लेकिन हर बार नई नौकरियां पैदा हुईं। औद्योगिक क्रांति आई तो मशीनों ने हाथ का काम छीन लिया, पर फैक्ट्रियां खुलीं और रोजगार बढ़ा। कंप्यूटर आए तो टाइपिस्ट और फाइल-क्लर्क कम हुए, लेकिन आईटी सेक्टर ने करोड़ों लोगों को काम दिया। यह तर्क सुनने में मजबूत लगता है, मगर एआई के मामले में तस्वीर कुछ अलग है। अतीत की तकनीकें इंसान के श्रम को आसान बनाने आई थीं। उन्होंने शारीरिक मेहनत कम की, गति बढ़ाई और इंसान की क्षमता को मजबूत किया। लेकिन एआई का मकसद सिर्फ मदद करना नहीं, बल्कि कई जगह इंसान की जगह लेना भी है। यह फर्क अहम है। एआई केवल कम-कौशल वाले काम नहीं कर रहा, बल्कि वह उन क्षेत्रों में भी प्रवेश कर चुका है जिन्हें कभी मानवीय विशिष्टता माना जाता था—जैसे मेडिकल डायग्नोसिस, सर्जरी में रोबोटिक सहायता, कानूनी दस्तावेज़ों का विश्लेषण, पत्रकारिता, डिजाइन, संगीत और कला सृजन तक। आज एल्गोरिदम-आधारित प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। गिग इकॉनमी, ऐप-आधारित सेवाएं और ऑटोमेशन ने काम की प्रकृति बदल दी है। काम स्थायी नहीं रहा, कॉन्ट्रैक्ट और टास्क-आधारित हो गया है। इससे कंपनियों को लचीलापन मिला, लेकिन कामगारों के हिस्से असुरक्षा आई। मजदूरी पर दबाव बढ़ा, सामाजिक सुरक्षा घटी और काम का माहौल अधिक जोखिमभरा हुआ। प्लेटफॉर्म तय करते हैं कि किसे कितना काम मिलेगा और कितना भुगतान होगा—मानव मैनेजर की जगह एल्गोरिदम ने ले ली। एक बड़ा संकट कौशल और बाजार की जरूरतों के बीच बढ़ते फासले का भी है। शिक्षा और प्रोफेशनल ट्रेनिंग सिस्टम अभी भी पुराने ढर्रे पर हैं, जबकि एआई तेज़ी से नई क्षमताओं की मांग कर रहा है। हर व्यक्ति बार-बार खुद को री-स्किल नहीं कर सकता। उम्र, संसाधन, अवसर और सामाजिक हालात सब पर असर डालते हैं। ऐसे में यह कहना कि "लोग खुद को अपग्रेड करें" आसान है, लेकिन यह पूरी जिम्मेदारी व्यक्ति पर डाल देना भी नाइंसाफी है। यह भी जरूरी नहीं कि हर तकनीकी बदलाव अधिक नौकरियां ही पैदा करे। ऐसा कोई प्राकृतिक नियम नहीं है। एआई की खासियत यह है कि यह एक साथ कई सेक्टरों में काम की जरूरत घटा सकता है। अगर एक एआई सिस्टम हजारों रिपोर्ट तैयार कर सकता है, लाखों डेटा एंट्री कर सकता है, कानूनी ड्राफ्ट बना सकता है, मेडिकल इमेज पढ़ सकता है और कस्टमर सपोर्ट संभाल सकता है—तो कंपनियां मानव श्रम क्यों रखेंगी? यह सवाल अब सैद्धांतिक नहीं, वास्तविक बन चुका है। कुछ लोग कहते हैं कि अगर काम के घंटे कम होंगे और फ्री-टाइम बढ़ेगा तो यह अच्छी बात है। सच भी है—कम काम और अधिक अवकाश वाला समाज ज्यादा रचनात्मक, संतुलित और खुशहाल हो सकता है। मगर समस्या सिर्फ काम के कम होने की नहीं है। समस्या उन चीजों के खत्म होने की है जो काम से जुड़ी हैं—वेतन, टैक्स-आधार, सामाजिक सुरक्षा, पहचान, उद्देश्य की भावना और साथ काम करने से पैदा होने वाला भाईचारा। रोजगार से मिलने वाली अस्मिता बहुत गहरी होती है। बेरोजगारी केवल आय की कमी नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान पर भी चोट करती है। लंबे समय तक काम न मिलना मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालता है, सामाजिक अलगाव बढ़ाता है और असंतोष पैदा करता है। अगर एआई बड़े पैमाने पर काम को विस्थापित करता है, तो यह केवल आर्थिक संकट नहीं, सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता भी पैदा कर सकता है। जब आर्थिक मूल्य पैदा करने के लिए कम लोगों की जरूरत होगी, तब सरकारों और नीति-निर्माताओं को अपनी सोच बदलनी पड़ेगी। अब तक विकास का मॉडल "अधिक से अधिक रोजगार" पैदा करने पर आधारित रहा है। लेकिन अगर उत्पादन और सेवा का बड़ा हिस्सा मशीनें और एआई करने लगें, तो रोजगार-केंद्रित मॉडल कमजोर पड़ जाएगा। तब सवाल उठेगा—आय का वितरण कैसे होगा? सामाजिक सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? टैक्स किससे लिया जाएगा? यहीं पर नए पॉलिसी फ्रेमवर्क की जरूरत सामने आती है। कुछ विशेषज्ञ "सोसाइटी, आंत्रप्रेन्योरशिप और रिसर्च-टाइम" यानी SERT मॉडल की बात करते हैं। इस मॉडल का मूल विचार है कि आय को काम से पूरी तरह नहीं, मगर आंशिक रूप से अलग किया जाए। लोगों को बुनियादी आय और सुरक्षा दी जाए ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन जी सकें। बदले में वे समाजोपयोगी कार्य, रिसर्च, नवाचार, सामुदायिक सेवा या उद्यमिता में समय दें। यानी बिना शर्त मुफ्त आय नहीं, बल्कि सामाजिक योगदान से जुड़ी आय। इसके अलावा यूनिवर्सल बेसिक इनकम, नकारात्मक आयकर, एआई टैक्स, रोबोट टैक्स जैसे विचार भी चर्चा में हैं। मकसद यह है कि तकनीक से पैदा हुई संपत्ति का लाभ केवल कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज में भी बंटे।

हवा पानी भोजन और दवा का संकट बताता है कि विकास का असली पैमाना इंसान ही होना चाहिए आज ज़रूरी

-जीडीपी से आगे बढ़कर सेहत पर्यावरण और जीवन गुणवत्ता को केंद्र में रखना होगा अब

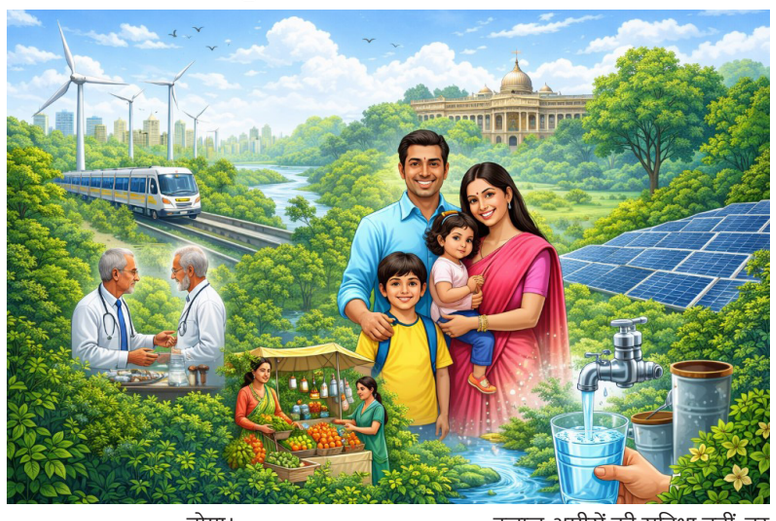

विकास शब्द आज हमारे समय का सबसे ज़्यादा इस्तेमाल होने वाला शब्द है। हर सरकार, हर नीति, हर भाषण में विकास का जिक्र होता है। जीडीपी की ग्रोथ, एक्सप्रेसवे, स्मार्ट सिटी, डिजिटल सिस्टम, बड़े-बड़े निवेश—इन्हें विकास के प्रतीक के रूप में पेश किया जाता है। लेकिन एक बुनियादी सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है—क्या विकास सिर्फ इकोनॉमी का नाम है, या इंसान के जीवन की गुणवत्ता का भी? अगर हवा जहरीली हो, पानी पीने लायक न हो, भोजन मिलावटी हो और दवाइयां नकली हों, तो क्या ऐसे देश को विकसित कहा जा सकता है? भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह एक प्रेरक सपना है। लेकिन इस सपने की बुनियाद क्या होगी—यह तय करना उससे भी ज्यादा जरूरी है। विकास की इमारत सिर्फ पैसों, प्रोजेक्टों और पॉलिसियों पर नहीं, बल्कि इंसानी सेहत, शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन पर खड़ी होती है।

विकास की परिभाषा: दौलत या जीवन-स्तर?

शून्य से शिखर तक पहुंचने वाला व्यक्ति अपने विकास को किससे मापेगा? बड़ी गाड़ी, बड़ा बंगला, ऊंचा पद और शोहरत से? या मानसिक सुकून, बेहतर सेहत, परिवार की खुशहाली और समाज में योगदान से? सच यह है कि असली तरक्की इन सबका संतुलन है। सिर्फ भौतिक संपत्ति विकास नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता विकास है। आज का मॉडल अक्सर उपभोग (कंज्यूमरिज्म) पर आधारित है—ज्यादा खरीदो, ज्यादा खर्च करो, ज्यादा उत्पादन करो। लेकिन यह मॉडल पर्यावरण, सेहत और सामाजिक संतुलन की भारी कीमत पर खड़ा होता है। जब नदियां जहरीली हों, खेतों में केमिकल भरे हों, और शहरों की हवा सांस लेने लायक न हो—तो यह विकास अधूरा है।

जहरीली हवा: अदृश्य संकट

भारत के बड़े शहरों की हवा दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में गिनी जाती है। सर्दियों में दिल्ली और आसपास के इलाकों में हालात इतने खराब हो जाते हैं कि स्कूल बंद करने पड़ते हैं। लोग मास्क पहनकर घर से निकलते हैं। दमा, एलर्जी, फेफड़ों की बीमारियां और दिल के रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्तर की रिपोर्टों के अनुसार भारत में हर साल लाखों मौतें वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण होती हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य संकट नहीं, आर्थिक नुकसान भी है। बीमार आबादी कम उत्पादक होती है, इलाज पर खर्च बढ़ता है और परिवार कर्ज में डूबते हैं। अगर कोई विदेशी निवेशक या मेहमान भारत आता है और एयरपोर्ट से निकलते ही उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगे, तो वह हमारे विकास के दावों को किस नजर से देखेगा? साफ हवा भी एक बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर है—यह बात हमें समझनी होगी।

पानी: जीवन या जहर?

पानी जीवन का आधार है। लेकिन देश के कई हिस्सों में पीने का पानी खुद बीमारी की वजह बनता जा रहा है। भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और भारी धातुओं की मात्रा खतरनाक स्तर तक पहुंच चुकी है। नदियों में औद्योगिक कचरा और सीवर का पानी मिल रहा है। गांवों में लोग मजबूरी में दूषित पानी पीते हैं और शहरों में बोतलबंद पानी पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। यह विडंबना है कि एक तरफ हम अंतरिक्ष में मिशन भेज रहे हैं, दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को साफ पानी उपलब्ध नहीं करा पा रहे। जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, नदी संरक्षण और स्थानीय जल स्रोतों को बचाना—इन्हें विकास की मुख्य धारा में लाना होगा।

भोजन: पेट भर रहा, पर ज़हर भी जा रहा

हरित क्रांति ने देश को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बनाया, लेकिन अब नई चुनौती खड़ी हो गई है—भोजन की गुणवत्ता। कीटनाशकों, केमिकल खाद, हार्मोन और मिलावट ने खाने को असुरक्षित बना दिया है। सब्जियों में इंजेक्शन, दूध में मिलावट, मसालों में रंग—यह आम खबरें बन चुकी हैं। कैंसर बेल्ट जैसे शब्द यूं ही नहीं बने। कई क्षेत्रों में कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले बढ़े हैं, जिनका रिश्ता खेती में इस्तेमाल हो रहे जहरीले तत्वों से जोड़ा जाता है। ऑर्गेनिक खेती, लोकल फूड सिस्टम और फूड टेस्टिंग को मजबूत किए बिना स्वस्थ समाज की कल्पना मुश्किल है।

दवा: इलाज या खतरा?

दवा वह चीज है जिस पर इंसान आखिरी भरोसा करता है। लेकिन अगर दवाइयां ही नकली या घटिया निकलें तो यह भरोसा टूट जाता है। समय-समय पर नकली दवाओं के गिरोह पकड़े जाते हैं। कई बार जरूरी दवाएं महंगी होती हैं, जिससे गरीब मरीज इलाज अधूरा छोड़ देता है। स्वास्थ्य सेवा का मतलब सिर्फ अस्पताल बनाना नहीं, बल्कि दवाओं की गुणवत्ता, सस्ती उपलब्धता और प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना भी है। विकसित देश वही है जहां इलाज अमीरों की सुविधा नहीं, हर नागरिक का हक हो।

जीडीपी बनाम एचडीआई

हम अक्सर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की बात करते हैं, लेकिन मानव विकास सूचकांक (HDI) की चर्चा कम होती है। जीडीपी बताता है कि देश कितना उत्पादन कर रहा है, जबकि एचडीआई बताता है कि लोग कितना अच्छा जीवन जी रहे हैं—शिक्षा, स्वास्थ्य और आय के आधार पर। स्कैंडिनेवियाई देश—नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड—इस मामले में आगे हैं। उनकी जीडीपी बहुत बड़ी नहीं, लेकिन वहां के नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा, मुफ्त या सस्ती शिक्षा, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और साफ पर्यावरण मिलता है। वहां विकास का मंत्र है—"जन्म से बुढ़ापे तक गरिमा और सुरक्षा।"

जापान का मॉडल: अनुशासन और मानव-केंद्रित विकास

जापान ने विकास का रास्ता अलग तरह से चुना। वहां शहर सुव्यवस्थित हैं, सार्वजनिक परिवहन मजबूत है, सड़क सुरक्षा उच्च स्तर की है और आपदा प्रबंधन बेहतरीन है। लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन जापान की पहचान है। तकनीक का इस्तेमाल इंसानी सुविधा के लिए किया गया, न कि सिर्फ मुनाफे के लिए।

शहरों का भविष्य: भीड़ या बेहतर जीवन?

अनुमान है कि 2047 तक भारत की आधी आबादी शहरों में रहेगी।

विधानसभा में सीएम भजनलाल शर्मा का दावा

-दो साल में बदली दिशा—अर्थव्यवस्था स्थिर, अपराध और पेपरलीक पर सख्त कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुए पहली बार दो वर्ष की उपलब्धियों का दस्तावेज सदन के पटल पर रखा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दो साल में पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल की तुलना में अधिक कार्य किए हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में सड़क, बिजली, पानी, कृषि, महिला, युवा कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान सरकार द्वारा दो साल में किए गए कार्यों का तुलनात्मक ब्यौरा सदन के सामने रखा और कहा कि राज्य सरकार ने अर्थव्यवस्था को न केवल स्थिरता दी, बल्कि उसे गति और दिशा भी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय जनकल्याण है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित तीन कर्तव्य - उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनकी क्षमताओं का निर्माण करना और सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र पर हम प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। शर्मा ने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना एवं माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र और भारत की यूरोपियन यूनियन और अमेरिका के साथ ट्रेड डील्स के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

कल्पवृक्ष खेजड़ी के लिए लाएंगे कानून-

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेजड़ी राजस्थान का कल्पवृक्ष भी है, राजस्थान की पहचान भी है, जिसकी बढते हुए रेगिस्तान को रोकने में हमेशा सार्थक भूमिका रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकास और विरासत दोनों को संजोने का कार्य कर रही है। हम राज्य के कल्पवृक्ष खेजड़ी को बचाने के लिए कानून भी लाएंगे, जिससे प्रदेश में खेजड़ी संरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने वृक्षारोपण का महाअभियान चलाया और केवल दो वर्षों में 20 करोड़ पौधे लगाए। हमने लक्ष्य तय किया है कि पांच वर्षों में 50 करोड़ से अधिक पौधे लगाएंगे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत बना चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हमारे देश ने विकास, विश्वास और आत्मसम्मान का एक नया इतिहास रचा है। देश की अर्थव्यवस्था जो 2014 में दुनिया में 11 वें स्थान पर थी। प्रधानमंत्री के सफल प्रयासों, ठोस निर्णयों एवं कुशल नेतृत्व से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन एवं जापान की अर्थव्यवस्था को भी पछाड़कर हमारी अर्थव्यवस्था 4.18 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करते हुए दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है।

दो वर्षों में ही राजस्व घाटे में आई 8 हजार करोड़ की कमी-

श्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय वित्तीय कुप्रबंधन ने ऐसा हाल कर दिया था कि खजाना खाली, योजनाएं अधूरी और भरोसा टूटा हुआ था। पिछली सरकार ने हमें विरासत में 5 लाख 79 हजार 781 करोड़ रूपये का कर्ज दिया था। बड़े राज्यों की श्रेणी में पंजाब के बाद राजस्थान के ऊपर सर्वाधिक कर्ज था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में हमारी सरकार के आर्थिक प्रबंधन, सामाजिक स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचारों, बेस्ट प्रैक्टिसेज और प्रशासनिक सुधारों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023-24 में जो राजस्व घाटा 38 हजार 954 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था उसे 2025-26 के बजट अनुमानों में 31 हजार 9 करोड़ रुपये रहने की संभावना व्यक्त की गई है। हमारी सरकार 2 साल में ही राजस्व घाटे को करीब 8 हजार करोड़ रूपये कम करने में सफल रही है।

इंडिया स्टोनमार्ट प्रदर्शनी नए राजस्थान के संकल्प का प्रतीक- भजनलाल शर्मा

-इंडिया स्टोनमार्ट का किया उद्घाटन, राजस्थान के पत्थरों की विश्व में अनूठी पहचान

-उद्योग अब नई ऊंचाइयां छूने को तैयार, प्रदेश के पत्थर उद्योग को देश में सिरमौर बनाएंगे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के पत्थरों की विशिष्टता की विश्व पटल पर अनूठी पहचान है। देशभर के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों, किलों, महलों में राजस्थान का पत्थर उपयोग में लाया गया है। अब राजस्थान का पत्थर उद्योग नई ऊंचाइयां छूने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा हम इस उद्योग को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी उद्यमियों से प्रदेश में मिलकर पत्थर उद्योग को देश में सिरमौर बनाने की अपील की। शर्मा गुरुवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित इंडिया स्टोन मार्ट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सीडॉस, रीको और लघु उद्योग भारती को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट प्रदर्शनी नए राजस्थान के संकल्प का प्रतीक है। यह आयोजन भारतीय प्राकृतिक पत्थर उद्योग की शक्ति और सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का एक वैश्विक मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस स्टोन मार्ट का पहली बार 26 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में वेबसाइट निर्माण, डिजिटल मोबाइल एप्लीकेशन तथा विशाल क्षेत्र में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

प्रधानमंत्री ने उद्योगों को दी नई दिशा-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और कुशल नेतृत्व में आज भारत वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनकर उभर रहा है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की महत्वाकांक्षी परिकल्पना ने उद्योगों को नई दिशा और नया विश्वास दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय ग्रेनाइट, संगमरमर और सैंडस्टोन दुनियाभर में प्रसिद्ध है। भारत पत्थर निर्यातक के साथ मूल्य संवर्धन और नवाचार का केंद्र भी बन रहा है। साथ ही, हमारी कंपनियां वैश्विक संस्थानों के रूप में तेजी से उभर रही हैं। यह हमारे उद्योग के लिए तेज गति से बढ़ने का सुनहरा अवसर है।

राजस्थान निवेश के लिए सबसे सुरक्षित और बेहतरीन जगह-

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पत्थर उद्योग सहित सभी प्रकार के उद्योगों के लिए निवेश-अनुकूल और नीति-स्थिर वातावरण तैयार करने का काम किया है। सिंगल विंडो सिस्टम, औद्योगिक बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण, लॉजिस्टिक्स में सुधार, प्रक्रियाओं का सरलीकरण जैसे नवाचारों से उद्यमी बिना परेशानी के यहां आसानी से स्वयं का उद्यम स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अनेक नीतियां लागू कीं है जिससे निवेश करना आसान हुआ है और आर्थिक विकास, नवाचार एवं रोजगार सृजन के भी कई नए मार्ग खुले हैं। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान इनवेस्टमेंट समिट के तहत किए गए 35 लाख करोड़ के एमओयू में से 8 लाख करोड़ के कार्य शुरू हो चुके है।

श्रमिकों की सुरक्षा एवं सम्मान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विपुल खनिज संपदा है। यहां कुल 85 तरह के खनिज उपलब्ध है। मकराना का संगमरमर, किशनगढ़ का मार्बल सहित राजसमंद, जालौर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा के पत्थर दुनियाभर में प्रसिद्ध है। राजस्थान के पास न केवल समृद्ध संसाधन हैं, बल्कि सदियों पुरानी शिल्पकला की परंपरा भी है। साथ ही, हमारे कारीगरों की कला विश्वविख्यात है। हमारे पत्थर को पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिल रही है। उन्होंने कहा कि उद्योग की असली ताकत हमारे कुशल कारीगर और मेहनतकश श्रमिक हैं। उनके हाथों की कारीगरी ही साधारण पत्थर को अद्त कला में बदलती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के लिए श्रमिकों की सुरक्षा एवं सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही, श्रमिकों के लिए आधुनिक सुरक्षा उपकरण, कौशल प्रशिक्षण, बेहतर काम का माहौल और उचित मजदूरी सुनिश्चित की जा रही है।

अमृतपुरी में 'इस्तिकबाल-ए-माहे रमज़ान' इज्तिमा का आयोजन

-देश में अमन-चैन और भाईचारे की मांगी गई दुआ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के अमृतपुरी (घाटगेट) स्थित ख्वाजा नगर में बुधवार (5 फरवरी) को मदरसा गुलशन-ए-हुसैन और अंजुमन मुहिब्बाने अहलेबैत की ओर से एक दिवसीय 'तालीमी बेदारी व इस्तिकबाल-ए-माहे रमज़ान' इज्तिमा का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक जलसे में उलेमाओं ने शिरकत की और देश-प्रदेश में अमन, चैन और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं मांगीं। गरीब नवाज का पैगाम इंसानियत और मोहब्बत: इज्तिमा की सरपरस्ती मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब रिज़वी ने की और निगरानी हाफिज मौलाना काज़ी वली मोहम्मद शेरी (खतीबो इमाम नूरानी मस्जिद) ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, अजमेर से आए हजरत मौलाना सैय्यद सुल्तान चिश्ती ने कहा कि "गरीब नवाज का पैगाम बुनियादी तौर पर इंसानियत, मोहब्बत और भाईचारा है।" उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए कहा कि जो शख्स अपने बच्चे को नाजिराह कुरान-ए-करीम सिखाता है, उसके सबब अगले-पिछले गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। दीनी तालीम के साथ मॉडर्न एजुकेशन जरूरी: पूर्व मदरसा बोर्ड चेयरमैन हजरत अल्लामा मौलाना मोहम्मद फज़ले हक़ ने तालीम पर जोर देते हुए कहा कि बदलती दुनिया के साथ चलने के लिए दीनी तालीम के साथ-साथ मॉडर्न एजुकेशन (असरी तालीम) वक्त की अहम जरूरत है। यह तालीम कौम को इज्जत दिलाती है और गुरबत दूर करती है। इन्होंने भी किया संबोधित: बरेली से आए मौलाना सद्दाम हुसैन रिज़वी और मुंबई से आए मुफ्ती हैदर अली मदनी ने रमज़ान की फजीलत और कुरान की अजमत पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कुरान का मोजिज़ा है कि बड़े तो बड़े, बच्चे भी इसे सीने में महफूज कर लेते हैं। छात्रों को मिले इनाम, गणमान्य रहे मौजूद: कार्यक्रम के अंत में मौलाना सुल्तान चिश्ती के हाथों मेधावी छात्र-छात्राओं (तलबा व तालेबात) को इनाम तकसीम किए गए। इस मौके पर वार्ड नं. 88 के पार्षद रईस कुरैशी, मोहम्मद नईम खान, मोहम्मद फहीम खान, मोहम्मद शाहिद खान नेताजी, अमजद खान, हाजी हबीब हुसैन, मोहम्मद खालिदा, हाजी अब्दुल अजीज मंसूरी सहित अंजुमन के अराकीन मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सलातो-सलाम और खुसूसी दुआ के साथ हुआ।

राजस्थान के सभी रकमा जिला अध्यक्षों एवं ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

-जिला कलक्टर/ उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज. अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोसिएशन (रकमा) की सभी जिला ईकाई / जिलों के ब्लॉक कमेटियों द्वारा आज माननीय मुख्यमंत्री महोदय जी के नाम ज्ञापन जिला कलक्टर/ उपखंड अधिकारी को देकर मांग की है कि राजस्थान में अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशासनिक कारण बताकर दूरस्थ स्थानों पर पदस्थापित/ स्थानान्तरण किया गया है जो कि अपलसंख्यक वर्ग के कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जाना है। इससे उक्त कर्मचारियों का मनोबल गिरने के साथ साथ यह अन्यायपूर्ण व अनीतिगत है, रकमा के प्रदेश अध्यक्ष अतीक अहमद ने राजस्थान के जिला अध्यक्षों के द्वारा जिला कलेक्टर एवं ब्लॉक स्तर पर उपखंड अधिकारी महोदय के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिलवाकर मांग की है कि पिछले कुछ दिनों में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में प्रशासनिक कारण बताकर स्थानान्तरण/पदस्थापन किए गए है जिसमें अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दूरस्थ स्थानों पर पदस्थापित किया गया है। इस तरह के स्थानांतरण में विधवा, परित्यकता, पूर्व सैनिक,पति-पत्नी दोनों कार्मिक सेवा में,विकंलाग एवं राज्य स्तर पर पुरुस्कृत किये गये कार्मिकों एवं अधिकारियों को भी नहीं बख्शा गया है। जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में निराशा की भावना पैदा हुई है।रकमा संगठन के प्रदेश महासचिव मोहम्मद हबीब खान ने बताया कि राज्य सरकार को इस तरह से प्रताड़ित कार्मिको से परिवेदनाए लेकर राजधर्म का पालन करते हुए पुनर्विचार करते हुए इस तरह के स्थानांतरण/पदस्थापन शीघ्र निरस्त किए जाने चाहिए या संशोधित आदेश द्वारा पुनः गृह जिले में पद स्थापित किया जाना चाहिए। ताकि अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारियों में निराशा की बजाय मनोबल जागृत होकर अच्छा कार्य कर सके। ये जानकारी रकमा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ अब्दुल मन्नान पीरजादा ने दी।

कक्षा-कक्ष का निर्माण शुरू

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खोरा लड़खानी में वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक भुरामल जाट की प्रेरणा से भामाशाह प्रकाश चंद योगी पुत्र जगदीश प्रसाद योगी ने 20 × 30 फिट बरामदे सहित कक्षा-कक्ष का निर्माण कार्य शुरू करवाया। इस अवसर पर भामाशाह प्रकाश चंद योगी उनके बहनोई धावाराम राम योगी भानु योगी प्रहलाद मिस्त्री रामेश्वर कपूरिया राजस्थान पुलिस प्रधानाचार्य संतोष सिंह कपूरिया भुरामल जाट वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

चैक अनादरण के मामले में नगरपरिषद चित्तौड़गढ़ के कर्मचारी को 11 माह के कारावास

-3 लाख रुपए के प्रतिकार का आदेश

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एन. आई. एक्ट प्रकरण रितिका जी श्रोती ने चेक अनादरण के एक महत्वपूर्ण प्रकरण में निर्णय सुनाते हुए 11 माह के कारावास और 3 लाख रुपए प्रतिकर के आदेश की सजा दी। मामले के तथ्य इस प्रकार है कि अधिवक्ता एडवोकेट प्रवीण गर्ग,एडवोकेट खुमान सिंह एडवोकेट तनवीर खान ने परिवादी भूपेंद भटनागर निवासी 5 बी प्रतापनगर तहसील व जिला चित्तौड़गढ़ की और से अभियुक्त भारत बोर्डे पिता प्रकाश चंद्र बोर्डे निवासी सुभाष कॉलोनी डायट रोड तहसील व जिला चित्तौड़गढ़ के विरुद्ध 138 पराक्रम लिखित अधिनियम के अंतर्गत एक परिवाद न्यायालय में पेश किया। अभियुक्त भारत बोर्डे नगरपरिषद चित्तौड़गढ़ में सफाई कर्मचारी है। जिसमें परिवादी भूपेंद भटनागर ने यह बताया कि अभियुक्त भारत बोर्डे ने अपने घरेलू खर्च एवं कर्ज अदायगी के लिए 2 लाख 50 हजार रुपए नगद उधार लिए जिसकी अदायगी पेटे अभियुक्त ने भारतीय स्टेट बैंक शाखा चित्तौड़गढ़ का एक चेक दिया जब परिवादी द्वारा बाद में 2 लाख 50 हजार रुपयों की मांग की गई तो अभियुक्त भारत बोर्डे ने उक्त चेक को बैंक में पेश करने के लिए कहा। इस पर परिवादी ने चेक अपने खाते वाले HDFC बैंक शाखा मीरा नगर चित्तौड़गढ़ में उक्त चेक सिकराने के लिए पेश किया जहां से उक्त चेक एक्सीड अरेंजमेंट के अंकन के साथ उक्त चेक बाउंस हो गया। उसके पश्चात परिवादी ने अपने अधिवक्ता के जरिए अभियुक्त को उसके पते पर नोटिस दिया नोटिस के पश्चात न्यायाल में परिवाद पेश करने के दौरान परिवादी भूपेंद भटनागर के बयान न्यायालय में लिखित में हुए साथ ही ओर 5 दस्तावेज को एक्जीबिट भी किया गया। दौरान ए बहस परिवादी के अधिवक्ता एडवोकेट प्रवीण गर्ग,एडवोकेट खुमान सिंह एवं एडवोकेट तनवीर खान ने न्यायालय के समक्ष तर्क रखते हुए निवेदन किया कि चेक अभियुक के द्वारा स्वयं का दिया चेक पर हस्ताक्षर अभियुक्त के है जिस पर किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं चेक का किसी प्रकार का कोई दुरुपयोग नहीं किया गया ना ही किसी प्रकार की कोई दुरुपयोग के सम्बन्ध में विधिक कार्यवाही अभियुक्त के द्वारा परिवादी के विरुद्ध की गई अभियुक्त पूरी तरह से यह साबित करने में असफल रहा कि चेक अभियुक्त के द्वारा नहीं दिया गया। माननीय न्यायालय विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट एन. आई. एक्ट प्रकरण रितिका जी श्रोती ने परिवादी के अधिवक्ता प्रवीण गर्ग,खुमान सिंह तनवीर खान के तर्कों को स्वीकार करते हुए परिवाद को स्वीकार करते हुए अभियुक्त भारत बोर्डे को 11 माह के कारावास और 3 लाख रुपए के प्रतिकार से दंडित किया।

कृषि यंत्र से आई कृषक गणेशराम के घर खुशी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार गिरदावर सर्किल हबसपुरा मे ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें अग्रिम दलों का गठन किया गया जिनके द्वारा कृषि विभाग से सम्बन्धित सभी संचालित योजनाओं का लाभ आम किसानों को दिये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसमें प्रार्थी गणेशराम पुत्र कालूराम निवासी श्रीरामपुरा गांव मण्डपी ने कृषि विभाग में कृषि यंत्र हेतु आवेदन किया था। शिविर में माननीय उपखण्ड अधिकारी ऋषिराज कपिल पर्यवेक्षण अधिकारी नयाब तहसीलदार सांभरलेक शिविर प्रभारी लक्ष्मीनारायण व सह प्रभारी सहायक कृषि अधिकारी के समक्ष परिवेदना रखी जिस पर सम्बन्धित कृषि अधिकारी अभिषेक जैन कृषि पर्यवेक्षक ने बीरबल मीणा को निर्देश दिये जिस सम्बन्धित अधिकारियों ने कार्यवाही करते हुये आवेदन स्वीकृत किया। जिस पर उक्त किसान ने अवगत कराया कि कृषि यंत्र मिलने से कृषि कार्यो में बहुत सहायता प्राप्त होगी और घर पर खुशियां आएंगी। इस कारण उपस्थित सभी किसानों ने खुशी व्यक्त करते हुए इस प्रकार के शिविरो का आयोजन करने पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

हजरत दिलावर शाह बाबा का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ मे सम्पन्न

-लंगर में उमड़े व कव्वाली में झूमे जायरीन

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। चौमू के रावण गेट व जामा मस्ज़िद के पास में स्तिथ हिन्द मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत दिलावर शाह बाबा रहमतुल्लाह आलेह का 2 दिवसीय वार्षिक उर्स कूल की रस्म के साथ मे विधिवत सम्पन्न हो गए। शहजाद खान लोहानी व रिय्याज खान लोहानी ने बताया कि 4 फरवरी बुद्धवार को सुबह चिराग रोशन कर झंडा फहराया गया इसी के साथ मे रंग बिरंगे परिधानों में सज संवर कर जायरीनों का आना शुरू हुआ शाम को जामा मस्जिद मोहल्ले से गाजे बाजे के साथ मे चद्दर का जुलूस निकाला गया शाम 6 बजे बाद दरगाह के खादिमो के द्वारा बाबा के चद्दर पेश की गई इस दौरान उपस्तिथ हिन्द मुस्लिम जायरीनों के मुख से यही स्वर फूट रहे थे कि "निगाहे वली में वो तासीर देखी बदलती हुई रोज हजारों की तकदीर देखी"। रात्रि 10 बजे बाद में महफ़िल ए शमा का आयोजन हुआ जिसमें हाजी टिम्मू गुलफ़ाम एन्ड कव्वाल पार्टी के द्वारा सम्पूर्ण रात्रि तक हजरत दिलावर शाह बाबा व हज़रत अकबर शाह बाबा की मान मनुहार की गई। 5 फ़रवरी गुरुवार की अल सुबह 3 बजे कूल की रस्म की अदायगी हुई इसी के साथ मे फ़ातेहा लगाकर भारत देश की सलामती की दुआएं की गई। रूह को सुकून देने वाली कव्वाली सुनाने पर कव्वाल गुलफ़ाम का स्वागत किया गया। शाम को फ़ातेहा लगाकर लंगर वितरण किया गया जिसमें बाबा के चाहने वालों ने पंगत प्रसादी ली। इस अवसर पर नबाब खान इस्लामुद्दीन गौरी मंजूर खान गौरी फैय्याज खान चौहान मोहम्मद अल्ताफ़ खान लोहानी शहजाद खान लोहानी शमशेर खान (वीआईपी), रिय्याज खान लोहानी शमशेर खान चौहान कप्तान खान अब्दुल रशीद खान इलियास खान लोहानी फारुख खान शौकत खान लोहानी पाली शाह फाजिल खान लोहानी सैफ अली खान समीर खान विक्की गौरी, फेज मोहम्मद, रहुफ गौरी जीशान हसन अशफाक खान फरमान लोहानी अफराज खान फरमान गौरी हनिस खान आबिद खान ज़ैद खान आदि उपस्तिथ थे।

वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024

-पात्रता जांच हेतु उर्दू विषय की विचारित सूची जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तहत उर्दू विषय के पदों हेतु पात्रता जांच के लिए विचारित सूची जारी की गई है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त विषय के पदों हेतु प्रश्न पत्र-प्रथम सामान्य ज्ञान की परीक्षा 9 सितंबर तथा प्रश्न पत्र-द्वितीय उर्दू की परीक्षा का आयोजन 10 सितंबर 2025 को किया गया था। उक्त दोनों प्रश्न पत्रों की परीक्षा में उपस्थित एवं संबंधित सेवानियमानुसार न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त गैर अनुसूचित क्षेत्र के पदों हेतु 6 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच के लिए विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। अनुसूचित क्षेत्र हेतु विज्ञापित पदों के विरुद्ध संबंधित सेवा नियमानुसार न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण विचारित सूची तैयार नहीं की गई है। उक्त विचारित सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित किये जाने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है तथा यह चयन/वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराये जाने के पश्चात आयोग द्वारा जारी की जायेगी। उपरोक्तानुसार विचारित सूची में अस्थाई रुप से सम्मिलित किए गए सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल पर माय रिक्रूटमेंट-डीटेल्ड फॉर्म कम स्क्रूटनी- अप्लाई नाउ का चयन कर अपना विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरें। ऑनलाइन विस्तृत आवेदन-पत्र भरने हेतु आयोग द्वारा दिनांक 11 से 17 फरवरी 2026 (रात्रि 11.59) तक लिंक खोला जायेगा। इस क्रम में यह भी सूचित किया जाता है कि विस्तृत आवेदन-पत्र व दस्तावेजों की जांच संबंधित विभाग (माध्यमिक शिक्षा विभाग) द्वारा ही की जायेगी। अतः ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने व सबमिट करने के उपरांत प्रिन्ट ऑप्शन पर जाकर सम्पूर्ण विस्तृत आवेदन पत्र को 02 प्रतियों में प्रिन्ट कर अपने पास संभाल कर रखें एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की सूचना के अनुसार निर्धारित दिनांक, समय व स्थान पर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) मय समस्त मूल दस्तावेजों व स्वयं सत्यापित प्रतियों सहित उपस्थित होवें।

भवन मानचित्र (बीपी) एवं ले-आउट प्लान (एलपी) समिति की बैठकों में अब आवेदकों को भी सुनवाई का अवसर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की सुशासन की मंशा के अनुरूप जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आमजन एवं हितधारकों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं सुगम बनाने की दिशा में एक नई पहल प्रारम्भ की है। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में बुधवार को भवन मानचित्र समिति (बीपी) तथा गुरुवार को भवन मानचित्र समिति (ले-आउट प्लान) की बैठक जेडीए के मंथन सभागार में आयोजित की गई। जेडीए द्वारा समिति की बैठकों की कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए एक नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत अब भवन मानचित्र समिति (बीपी) एवं ले-आउट प्लान समिति की बैठकों में प्रस्तुत प्रकरणों के अनुमोदन के समय संबंधित विकासकर्ताओं, भवन निर्माताओं, आर्किटेक्ट्स एवं आवेदकों को भी बैठक में उपस्थित रहने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य जेडीए अधिकारियों एवं संबंधित आवेदकों के मध्य प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना है, जिससे प्रकरणों से संबंधित तकनीकी अथवा व्यावहारिक बिंदुओं का निराकरण बैठक के दौरान ही किया जा सके। इससे निर्णय प्रक्रिया अधिक स्पष्ट एवं समयबद्ध होगी। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि जेडीए द्वारा अब प्रकरणों का निर्णय करते समय आवेदकों का पक्ष भी सुना जा रहा है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड वाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जिले के 90 हज यात्रियों को मिला प्रशिक्षण व टीकाकरण, जामा मस्जिद हॉल में हुआ आयोजन

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हज-2026 में चयनित हज यात्रियों को पवित्र हज यात्रा के दौरान किए जाने वाले अरकान, विभिन्न धार्मिक गतिविधियों, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, टीकाकरण और व्यवस्थागत दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से गुरुवार को जामा मस्जिद स्थित हॉल शहर सवाई माधोपुर में प्रशिक्षण एवं टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु स्टेट हज कमेटी द्वारा हाजी गुलाम मोहम्मद, रईस मोहम्मद सहित अन्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति की गई। वहीं, अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय की ओर से शिक्षा अनुदेशकों को सहयोग हेतु लगाया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विभाग द्वारा प्रशिक्षित चिकित्सा कार्मिकों की नियुक्ति कर हज यात्रियों के लिए शारीरिक दक्षता प्रमाण-पत्र जारी करने एवं आवश्यक टीकाकरण की व्यवस्था की गई। समन्वित प्रयासों से हज प्रशिक्षण एवं टीकाकरण शिविर का सफल आयोजन सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर सवाई माधोपुर जिले से चयनित कुल 90 हज यात्रियों ने भाग लिया और हज यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। कमेटी की ओर से सभी हाजियों के लिए खाने की व्यवस्था की गई। कैंप में कॉफी का इंतजाम खिदमतगार ग्रुप की तरफ से किया गया।

बूथ का किया निरीक्षण, मतदाताओं से लिया फीडबैक

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पररोल पर्यवेक्षक ने चूरू शहर में बूथ संख्या 158 व 159 का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी और बूथ पर पंजीकृत मतदाताओं से संवाद किया। उन्होंने बूथ पर मौजूद बीएलओ से एसआईआर-2026 के दौरान मतदाताओं से संपर्क, गणना प्रपत्र वितरण व संग्रहण, जारी नोटिस तथा निस्तारण, मतदाताओं को आवश्यक फॉर्म आदि के बारे जागरूकता गतिविधियों को लेकर जानकारी ली। बूथ पर मौजूद मतदाताओं से संवाद करते हुए रोल पर्यवेक्षक ने कहा कि बूथ पर पात्र मतदाता वोटर लिस्ट ने एक ही जगह नाम रखें। एसआईआर जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम में सभी मतदाताओं और बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं का सहयोग सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जरूरी दस्तावेजों के बारे में जागरूक रहें। किसी प्रकार की कठिनाई होने पर जिला

प्रशासन का सहयोग लें। उन्होंने मतदाताओं से शादी की कारण या रोजगार के कारण शिफ्ट, मृत्यु या अन्य जगह नाम जुड़वाने के कारण नाम हटाने, दावे और आपत्तियों, नए नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर एसआईआर के दौरान बीएलओ व निर्वाचन मशीनरी द्वारा की गई गतिविधियों के बारे में फीडबैक लिया। इस दौरान जमील चौहान,असलम खोखर, रमजान खान, नारायण बेनीवाल, नंदकिशोर मोजासिया, संजय भाटी, नोमान खान सहित उपस्थित सभी मतदाताओं ने एसआईआर में की गई गतिविधियों में उनकी समुचित भागीदारी के साथ संतुष्टि जाहिर की। मतदाताओं ने व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक दिया और कहा कि एसआईआर के दौरान सभी गतिविधियों के बारे में समुचित प्रचार-प्रसार और जानकारी से पात्र मतदाताओं को जोड़ा गया है। गणना प्रपत्र भरवाने, डिजिटाइजेशन आदि के बारे नियमित अपील आदि भी की गई। ईआरओ सुनील कुमार तथा उपस्थित बीएलओ ने बूथ पर मतदाताओं, उपलब्ध सुविधाओं, एसआईआर गतिविधियों की जानकारी दी।

सर्व समाज सहायता टीम ने निभाया सामाजिक दायित्व

-दो बच्चियों की शादी में किया कन्यादान

हनीस शेख

हिण्डौन (रॉयल पत्रिका)। सर्व समाज सहायता टीम करौली ने एक बार फिर समाजसेवा की मिसाल पेश की है। टीम को जैसे ही गांव हुक्मीखेड़ा निवासी राजेश हरिजन की दो पुत्रियों संजना और रचना की शादी 10 फरवरी 2026 को होने की जानकारी मिली, टीम ने सहायता का संकल्प लिया। परिवार मजदूरी कर बच्चों का पालन-पोषण करता है। आर्थिक स्थिति को देखते हुए सर्व समाज सहायता टीम करौली ने कन्यादान के रूप में सहयोग के लिए मुहिम शुरू की। टीम पिछले तीन वर्षों से जरूरतमंद और पीड़ित परिवारों की लगातार सहायता करती आ रही है और इससे पूर्व 18 बच्चियों की शादियों में भी सहयोग कर चुकी है। शादी के अवसर पर टीम की ओर से एक फ्रीज, दो आलमारियां, बक्सा, कूलर सहित अन्य घरेलू सामान प्रदान किया गया। इस अवसर पर राजवीर सिंह डागुर, जियालाल डागुर, करतार सिंह चौधरी धंधावली, हरिचरण, रामलाल, कमल सिंह, शशिकपूर और हरी मौजूद रहे।

रोल पर्यवेक्षक मुथुकुमारसामी बी चूरू आए, एसआईआर-2026 को लेकर बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) - 2026 को लेकर रोल पर्यवेक्षक मुथुकुमारसामी बी गुरुवार को जिले के दौरे पर रहे। इस अवसर पर उन्होंने जिला कलेक्ट्रेट (आपणी योजना) सभागार में एसआईआर- 2026 अंतर्गत मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन को लेकर तैयारियों को लेकर बैठक ली और अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने मतदाता सूचियों की शुद्धता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर- 2026 के दौरान नियमानुसार कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे तथा अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार हटाया जाए। साथ ही अंतिम प्रकाशन को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अभिषेक सुराणा ने रोल पर्यवेक्षक को एसआईआर-2026 के तहत दावे व आपत्तियों और उनके निस्तारण, मतदाता सूचियों के अंतिम प्रकाशन की तैयारियों सहित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सेनी, तारानगर ईआरओ राजेंद्र कुमार, चूरू ईआरओ सुनील कुमार, रतनगढ़ ईआरओ मिथिलेश, सुजानगढ़ ईआरओ ओमप्रकाश वर्मा, सरदारशहर ईआरओ रामकुमार वर्मा, सादुलपुर ईआरओ मनोज खेमादा, एईआरओ अशोक गोरा सहित निर्वाचन गतिविधियों से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम उत्थान शिविर में गोपीराम को मिला मृदा स्वास्थ्य कार्ड

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे ग्राम उत्थान शिविर किसानों के लिए लाभदायक साबित हो रहे हैं।गुरुवार को जिले के सरदारशहर उपखंड के जैतासर में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर में गांव के ही गोपीराम पुत्र सुरजाराम जाट को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया गया। गोपीराम बताते हैं कि उनके खेत में फसल बहुत कमजोर हुआ करती थी और मृदा की उर्वरा शक्ति भी कम थी। एक बार कृषि विभाग के अधिकारियों से खेत पर मिलना हुआ तो उन्होंने अपनी समस्या के बारे में अवगत करवाया। कृषि अधिकारियों ने गोपीराम को खेत की मिट्टी की जाँच करवाने का सुझाव दिया। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को अपनी मिट्टी का नमूना दिया, जिस पर कृषि विभाग द्वारा मृदा की जांच कर ग्राम उत्थान शिविर में गोपीराम को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया। इसी के साथ मिट्टी की गुणवत्ता के अनुसार उर्वरकों, उचित फसलों तथा कृषि विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त कर किसान गोपीराम ने खुश होकर प्रदेश सरकार का आभार जताया और कहा कि इस कार्ड में अलग-अलग फसलों के पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में बताया गया है। कार्ड लेने के बाद इसकी महत्वता को मैं अलग-अलग किसानों को भी बताऊंगा।

एडवोकेट सद्दाम हुसैन के भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनने पर चूरू में हुआ आतिशबाज़ी के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। शेखावाटी अंचल एवं बीकानेर सम्भाग से एकमात्र चूरू के एडवोकेट सद्दाम हुसैन भारतीय युवा कांग्रेस का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाए जाने पर वार्ड नं. 55, 56, 58 में सर्व समाज की ओर से जुलूस के रूप में आतिशबाज़ी कर माल्यार्पण एवं शाफा शॉल के माध्यम से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इससे पूर्व एडवोकेट सद्दाम हुसैन भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई में राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय संयोजक पद के साथ साथ मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश राज्य के प्रभारी के रूप में भी संगठन में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य कर चुके हैं एडवोकेट सद्दाम हुसैन यूजी एवं पीजी सहित कुल दस उपाधियां अर्जित कर चुके हैं।एडवोकेट सद्दाम हुसैन दर्जनों बार जिला राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित हो चुके हैं। इस अवसर पर शोयल खान डीके, गुलामनबी, युसुफ, सुरेश कुमार कल्ला, उस्मान अन्सारी, शकील दुर्रानी, अज्जु लुहार, तौफीक खान, मोहम्मद आसिफ निर्वाण, मुकेश रसगनियां, अभिषेक पंवार, तैयूब, उस्मान, वसीम चौहान, अल्ताफ रंगरेज, जाकीर, असलम अन्सारी, रामेश्वर प्रसाद, लियाकत, खुर्शीद, सय्यद हुसैन, कासम, दीपक स्वामी, कय्यूम, आसिफ, कमल पंवार, इब्राहिम, निखिल सैनी, सुलेमान मणीयार, रमजान, सलिम, राजेश, विक्की, साबीर, शाहिल, फैसल, दीलिप, कासिफ, गोरव शर्मा, अब्दुल्ला कुरैशी, प्रेमचंद खारडिया, इमरान कुरैशी, अकरम, इमरान, साजिद, शोयल, फारूक, इस्लाम, शायल, चन्द्रभान, आसिफ, शोयल, समीर खान, आसिफ गौरी सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मेडिकल नशे व बढ़ती चोरियों के खिलाफ 10 फरवरी को घुमड़वाली थाने के सामने विशाल धरना

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे चिट्टा सहित मेडिकल नशे के अवैध कारोबार पर पूर्ण अंकुश लगाने तथा चोरियों के दर्जनों लंबित मामलों के निस्तारण की मांग को लेकर 10 फरवरी को पुलिस थाना घुमड़वाली के समक्ष विशाल धरना एवं हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस आंदोलन की तैयारियों के तहत एलएनपी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। कॉमरेड रविंद्र तरखान, श्रवण सिंह समरा, गौतम गौड़ सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने लालेवाला, रिडमलसर, रतनपुरा सहित आसपास के गांवों में जनसंपर्क कर लोगों को आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया। नुक्कड़ सभाओं के दौरान क्षेत्र में फैल रहे मेडिकल नशे और उससे उपज रही सामाजिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। किसान सभा के जिला महासचिव रविंद्र तरखान ने कहा कि मेडिकल नशा युवाओं की जिंदगी को बर्बाद कर रहा है। नशे की लत के कारण चोरी जैसी आपराधिक घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह नशा अब कस्बों से निकलकर गांवों तक महामारी की तरह फैल चुका है, जिससे आमजन में गहरी

चिंता व्याप्त है। तरखान ने स्पष्ट किया कि 10 फरवरी को पुलिस थाना घुमड़वाली के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से बड़ी संख्या में धरने में शामिल होकर आंदोलन को मजबूती देने की अपील की।

डीएसटी की आसूचना पर पुलिस थाना सदर चूरू व डीएसटी टीम चूरू की संयुक्त कार्यवाही

-खाद के कट्टो के बीच में चंडिगढ निर्मित अंग्रेजी शराब की तस्करी करते हुए विभिन्न ब्रॉण्ड के 139 कार्टूनो सहित दो आरोपी वाहन ट्रेलर सहित गिरफ्तार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। उप महानिरीक्षक पुलिस, सह-पुलिस अधीक्षक जिला चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि महानिरीक्षक बीकानेर रेंज बीकानेर के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थो की तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सुनील कुमार आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू, सुनिल झाझडिया आरपीएस वृताधिकारी वृत्त चूरू के निकटतम सुपरविजन में डीएसटी टीम चूरू की आसूचना पर डीएसटी टीम व मोटाराम पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना सदर चूरू के निर्देशन में पुलिस थाना सदर चूरू टीम ने 05 फरवरी 2026 को एक ट्रेलर नम्बर GJ 12 BT 0884 में चण्डीगढ निर्मित अवैध शराब जो चण्डीगढ से दिल्ली हाईवे से भरी जाकर हरियाणा से पालनपुर, गुजरात ले जायी जा रही थी जिसको एन.एच. 52 रामसरा बाईपास पर रोककर चेक किया गया तो ट्रक में 02 व्यक्ति मिले जिनके नाम 1- सितम्बर पुत्र राजेन्द्र मेघवाल निवासी भलसी, तहसील मतलोडा जिला पानीपत व 2- अनिल पुत्र ओमप्रकाश जाट निवासी नारा तहसील मतलोडा जिला पानीपत होना बताया। ट्रेक को चैक किया गया तो डी.ओ.सी. खाद के कट्टों के बीच में अंग्रेजी शराब के विभिन्न ब्रांड के कुल 139 कार्टून अवैध शराब के मिले। उक्त ट्रेलर में अवैध शराब चण्डीगढ दिल्ली हाईवे से भरी जाकर पानीपत, हिसार, चूरू, नागौर, जोधपुर, पाली, सिरोही के रास्ते से पालनपुर, गुजरात ले जायी जा रही थी। वाहन चालक सितम्बर मेघवाल से पूछताछ की गई तो उक्त शराब दीपक पुत्र रामकरण जोगी उम्र करीब 30 साल निवासी भलसी तहसील मतलोडा जिला पानीपत द्वारा शराब भरवाना तथा आगे गुजरात में स्पलाई करने के लिये बताया है। उक्त अवैध शराब की जब्ती पर पुलिस थाना चूरू सदर में आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया जाकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। अवैध शराब की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये हैं। उक्त कार्यवाही में भागीरथ सउनि साईबर सैल चूरू का विशेष योगदान रहा है।

मतदाता साक्षरता उत्सव का आयोजन

-युवाओं में लोकतांत्रिक सभागिता को बढ़ावा

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीईओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के मार्गदर्शन में युवाओं की लोकतांत्रिक सभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुराना थाना में इलेक्टोरल लिटरेसी फेस्टिवल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार दशरथ मीणा ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को मताधिकार का महत्व बताते हुए प्रत्येक चुनाव में मतदान करने का संकल्प कराया। प्रधानाचार्य मंजू राठौर ने विद्यार्थियों को बेस्ट ईएलसी अवार्ड की बधाई देते हुए विद्यालय में नियमित की जाने वाली ईएलसी गतिविधियों के बारे में बताया।

युवाओं ने जानी निर्वाचन की ऑनलाइन प्रक्रिया-

समारोह में सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने कहा कि लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका अहम होती है,क्योंकि युवा अपनी शिक्षा, तकनीकी समझ और नए दृष्टिकोण से देश के नीति-निर्माण में योगदान दे सकते हैं,साथ ही ईसीआई नेट ऐप द्वारा निर्वाचन के चारों महत्वपूर्ण एप्लीकेशंस से रूबरू कराया गया तथा वोटर हेल्पलाइन ऐप एवं मतदाता सेवा पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना पंजीयन मतदाता सूची में करने

की प्रक्रिया समझाई गई।एवं पोर्टल्स के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। पंजीकरण आवेदन एवं मतदाता विवरण संशोधन के लिए फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा किया मतदान के प्रति जागरूक-

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी ममता नागर के नेतृत्व में ईएलसी सदस्यों ने आकर्षक पोस्टर एवं मेहंदी में जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखते हुए मतदान के प्रति जागृति का संदेश संजोया वही बालिकाओं ने मतदान बड़ा है जरूरी जैसे जागरूकता गीतों पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति से सभी का ध्यान मतदान करने की ओर आकर्षित किया।

ईएलसी गतिविधियों के लिए किया पुरुस्कृत-

समारोह के दौरान विद्यालय में आयोजित की गई विविध स्वीप गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उत्साह वर्धन किया गया, विविध प्रतियोगिताओ में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर-रंगोली में कल्पना गुर्जर, राधिका सुमन, मुस्कान प्रजापति, पोस्टर प्रतियोगिता में कल्पना गुर्जर, नैना बैरवा, मोनिका सुमन तथा मेहंदी प्रतियोगिता में छाया, आरती, आयुषी विजेता रहीं। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, संचालन वरिष्ठ अध्यापिका नीति शर्मा ने किया। समारोह के दौरान स्वीप सदस्य रामचरण मीणा, नरेश कुमार, व्याख्याता सुनीता अग्रवाल, बीएलओ अमरदीप राठौर, सूरजमल रेनवाल, अब्दुल हफीज, अध्यापक अशोक कुमार योगी, बुद्धि प्रकाश जोशी, अनिल शर्मा, कलावती पारीक, रोहित नागर, स्टाफ सदस्य एवं अभिभावक गण मौजूद रहे।

भामासी गांव में भीषण आग का तांडव

-मवेशियों की मौत से किसान पर टूटा दुखों का पहाड़

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिले के दुधवा खारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भामासी में आज एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। गांव में अचानक लगी भीषण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिसकी चपेट में आने से एक गरीब किसान की गायों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना का विवरण मिली जानकारी के अनुसार, आग इतनी भयानक थी कि जब तक ग्रामीण और परिजन कुछ समझ पाते, उसने पशुओं के बाड़े को अपनी आगोश में ले लिया। आग की लपटें देख गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया, लेकिन तब तक किसान की दुधारू गायों ने दम तोड़ दिया था। इस हादसे में किसान को भारी आर्थिक क्षति हुई है और उसकी आजीविका का मुख्य सहारा छिन गया है। पुलिस की कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही दुधवा खारा पुलिस थाना की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और स्थिति को नियंत्रित किया। रिपोर्ट दर्ज: पुलिस ने पीड़ित किसान से मिलकर पूरी घटना

की जानकारी ली और उसकी रिपोर्ट प्राप्त की है। आकलन: प्रशासन की ओर से नुकसान का आकलन किया जा रहा है ताकि पीड़ित को उचित मुआवजा मिल सके। गांव में शोक की लहर इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे भामासी गांव में शोक और सन्नाटे का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित किसान को जल्द से जल्द सरकारी सहायता प्रदान की जाए, क्योंकि पशुधन की हानि उसके लिए एक बड़ा आघात है।

भारत रत्न स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल गफ्फार खान को जयंती पर याद किया

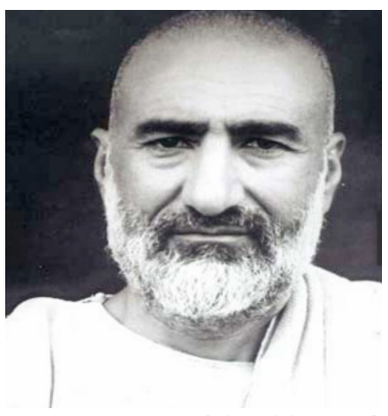

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय आथूना मोहल्ला में चूरू जिला अंजुमन - अल - शबाब कमेटी ने भारत रत्न सीमांत गांधी के नाम से मशहूर रहे मरहूम अब्दुल गफ्फार खान को उनकी जयंती पर याद करते हुवे अंजुमन, अल शबाब जिलाध्यक्ष जमील चौहान ने कहा अब्दुल गफ्फार खान,सत्य, अहिंसा और भाईचारे के मार्ग पर चलकर देश की आज़ादी की लड़ाई को नई दिशा देने वाले विख्यात स्वतंत्रता सेनानी 'भारत रत्न' थे उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और मानवता के मूल्यों को समर्पित रहा जो हमेशा याद रखा जाएगा,आज उनके आदर्श सच्चाई और नैतिकता के साथ अन्याय के खिलाफ को प्रेरित कर रहे हैं।चौहान ने कहा जंगे आज़ादी के अज़ीम सिपाही और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के भरोसेमंद साथी विश्व में सीमांत गांधी के नाम से मशहूर भारत के स्वतंत्रता सेनानी खिदमतगार अब्दुल गफ्फार खान को उनकी यौमे ए -पैदाइश पर खिराजे-ए अकीदत पेश कर याद किया ।इस अवसर पर इक़बाल रुकनखानी,नासीर अली,ज़ाकिर रज़ाक, युनूस गफूर खान,सलीम खान, शेरखान, शकील खान, इरफ़ान भाटी ,सैय्यद सोलंकी, मनफूल अली, अकरम खान,अली हसन गौरी, आदि ने खान को याद किया।

जिला कलेक्टर ने किया ग्राम उत्थान शिविर रोड़ावाली का निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम उत्थान शिविर–2026 के तहत शुक्रवार को ग्राम पंचायत रोड़ावाली में आयोजित शिविर का जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने विभागवार स्टॉल की जानकारी ली तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपस्थिति किसानों से भी उन्होंने शिविरों के संबंध में फीडबैक लिया। शिविर में किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं का सीधा लाभ मिला। शिविर में चक 4 आर.आर.डब्ल्यू निवासी लाभार्थी विनोद कुमार पुत्र रूपराम को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया गया, जिससे उनके खेत की उर्वरता और फसल चयन को लेकर स्पष्ट मार्गदर्शन मिला। लाभार्थी विनोद कुमार ने बताया कि उन्होंने कृषि विभाग द्वारा आयोजित गोष्ठियों एवं कार्यशालाओं में भाग लेकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड के लाभ और प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। बागवानी विकसित करने की मंशा से उन्होंने अपने खेत की मिट्टी की जांच करवाई, जिसमें नाइट्रोजन एवं सूक्ष्म पोषक तत्व बोरोन की कमी पाई गई। कृषि विभाग की अनुशंसाओं के अनुसार इन पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा डालने से मृदा स्वास्थ्य में सुधार संभव है तथा कौन-कौन से फलदार वृक्ष लगाए जा सकते हैं, इसकी भी उपयोगी जानकारी उन्हें प्राप्त हुई। शिविर में मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त होने पर लाभार्थी ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सलाह से खेती करने पर लागत घटेगी और उत्पादन व गुणवत्ता में वृद्धि होगी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, जिला परिषद् सीईओ ओपी बिश्नोई, उद्यान उपनिदेशक डॉ. रमेशचन्द्र बराला, शिविर

प्रभारी नायब तहसीलदार रणवीर तथा प्रशासक इस्मा बीबी उपस्थित रहे।

युवा राईडर्स के लिए दैनिक राईड हुई आसान

मुंबई, एजेंसी। भारत में कई परिवारों के लिए आवागमन का मुख्य साधन टू-व्हीलर है। सुबह

स्कूल की भागदौड़ से लेकर शाम को ग्रोसरी का सामान लाने तक परिवार स्कूटरों और बाईक्स का उपयोग करते हैं। भारत की सड़कों पर इस समय लगभग 260 मिलियन टू-व्हीलर (डेटा फॉर इंडिया के मुताबिक) दौड़ रहे हैं, जिससे प्रदर्शित होता है कि टू-व्हीलर आवागमन का सबसे आम और सुविधाजनक तरीका बन गए हैं। टू-व्हीलर्स के इतने व्यापक उपयोग के कारण राईडर और पिलियन की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। पिछले कुछ सालों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरुकता बढ़ी है, खासकर हेलमेट पहनने को लेकर। आज राईडर्स हर राईड से पहले सुरक्षा का महत्व समझने लगे हैं। लेकिन आज भी पीछे की सीट पर बैठे बच्चों की सुरक्षा को नजरंदाज किया जा रहा है। इसके कई कारण हो सकते हैं, जिनमें जागरुकता की कमी या फिर बच्चों की फिटिंग के हेलमेट नहीं मिल पाना शामिल हैं। लेकिन इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय (मोर्थ) की वार्षिक रिपोर्ट, 2023 के मुताबिक सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले 54,000 राईडर और पिलियन पैसेंजर हेलमेट नहीं पहने हुए थे। यह देश में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के 31 प्रतिशत से भी अधिक है। खासकर बच्चे अपने कम शारीरिक विकास, छोटे कद और खतरनाक परिस्थितियों में चुस्ती से प्रतिक्रिया देने की कम क्षमता के कारण असुरक्षित होते हैं। सिटिज़न कंज़्यूमर एंड सिविक एक्शन ग्रुप (सीएजी) द्वारा साल 2024 में किए गए सर्वे में सामने आया कि बच्चों द्वारा हेलमेट का उपयोग बहुत कम किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हेलमेट पहनने से मौत का खतरा छः गुना तक कम तथा मस्तिष्क को चोट पहुँचने का खतरा 74 प्रतिशत तक कम हो जाता है। ये आँकड़े प्रदर्शित करते हैं कि अगर हम सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो उसके कितने गंभीर नतीजे हो सकते हैं। पर अब टू-व्हीलर्स पर बच्चों की सुरक्षा के बारे में बातचीत बढ़ रही है। लोगों को यह समझ में आ रहा है कि सुरक्षा की आदतों का विकास कम उम्र से ही किया जाना चाहिए। बच्चों को भी हेलमेट पहनना जरूरी होना चाहिए। ब्रांड्स भी इसका बुद्धिमत्तापूर्ण उपाय कर रहे हैं। एथर जैसे ब्रांड ने बच्चों के लिए डिज़ाईन की गई हेलमेट बाजार में पेश की हैं। इन्हें एथर जूनियर हेलमेट कहा जाता है। ये व्यस्कों की हेलमेट का केवल छोटा संस्करण ही नहीं हैं, बल्कि आईएसआई सर्टिफाईड भी हैं। इन्हें बच्चों के लिए आकर्षक भी बनाया गया है। शानदार डिज़ाईन के साथ ये आरामदायक फिट में आती हैं, ताकि बच्चे इन्हें हर बार पहनने के लिए प्रोत्साहित हों।

हंगामा ओटीटी की लोकप्रिय एंथोलॉजी हसरतें सीजन 3 के साथ लौटी

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म में से एक हंगामा ओटीटी ने हसरतें सीजन 3 के लॉन्च की घोषणा की है। यह इसकी बेहद पसंद की जाने वाली एंथोलॉजी का अगला अध्याय है, जो महिलाओं की भीतरी दुनिया, अनकही इच्छाओं और शांत विद्रोह को लगातार सामने लाता रहा है। पहले दो सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह सीजन और ऊंचा स्तर तय करता है। इसमें दमघोंटू शादियां, सख्त परंपराएं, राजनीतिक इस्तेमाल और भावनात्मक उपेक्षा से गढ़ी गई जिंदगियों की परतें खोली गई हैं। सालों में, हसरतें ने उन कहानियों के लिए एक मजबूत जगह बनाई है, जो अक्सर अनकही रह जाती हैं। महिलाओं की इच्छाओं, पहचान और सामाजिक बंधनों के बीच के संघर्ष को ईमानदारी और बेबाकी से दिखाने के कारण इसने दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाया है। सीजन 3 में यह शो छह दमदार एपिसोड लेकर आया है, जिनमें थ्रिलर, क्राइम और ड्रामा के तत्व शामिल हैं। हर कहानी साहसी, निजी और पूरी तरह मानवीय है। हसरतें सीजन 3 के पहले दो एपिसोड 22 जनवरी को रिलीज हुए, इसके बाद 27 जनवरी को दो एपिसोड आए और अंतिम दो एपिसोड 4 फरवरी को रिलीज किए गए।

सोनालीका ने 10 महीनों में 1.51 लाख ट्रैक्टरों की सबसे तेज़ बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। 30वें वर्षगाँठ की शानदार शुरुआत करते हुए, भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के 10 महीनों के दौरान 1,51,604 ट्रैक्टरों की अब तक की सबसे तेज़ कुल बिक्री दर्ज की है। भविष्य के लिए तैयार तकनीकों से लैस हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों द्वारा सोनालीका ने विभिन्न क्षेत्रों में कृषि समृद्धि का नेतृत्व करना जारी रखा है और यह बदलते कृषि परिदृश्य में निरंतर वृद्धि देने की कंपनी की क्षमता को दर्शाता है। सोनालीका ने हाल ही में अपने उद्देश्य जीतने का दम को दोहराया है, जो पूरे देश में ब्रांड को मज़बूत करने के कार्यक्रम का हिस्सा है और इसकी तेज़ विकास रणनीति को दर्शाता है।

महज 30 वर्षों में, सोनालीका एक छोटे शहर की कंपनी से बढ़ कर भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड और देश में तीसरा सबसे बड़ा ट्रैक्टर ब्रांड बन गया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसने पांचवे सबसे बड़े ट्रैक्टर ब्रांड के रूप में स्थान हासिल किया है।

सोनालीका के हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टर किसानों द्वारा स्थाई विकास के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश माने जाते हैं, क्यूंकि कंपनी की प्रगतिशील यात्रा मजबूत सिद्धांतों पर आधारित है जिनमें किफायती इंजीनियरिंग, बेहतर उत्पादन क्षमता और किसानों को प्राथमिकता देना शामिल है।

जीएसटी कटौती द्वारा किसानों को बेहतर पूर्वानुमान और भरोसा मिला है एवं वह सशक्त महसूस कर रहे हैं जिससे साथ ही मशीनीकरण को भी बढ़ावा मिला है। सोनालीका अपने विश्व के सबसे बड़े एकीकृत ट्रैक्टर निर्माण प्लांट में किसानों के भविष्य के लिए तैयार समाधानों को प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके और भारत की आर्थिक प्रगति में कृषि की भूमिका को सुदृढ़ किया जा सके। इस नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 10 महीनों में 1.51 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री का अब तक का सबसे तेज़ आंकड़ा दर्ज करके हम बेहद प्रसन्न हैं। इससे हमें 2026 में अपने 30वीं वर्षगाँठ के लिए एक मज़बूत्त शुरुआत मिली है। यह हमारे इस सरल विश्वास की पुष्टि करता है कि निरंतर विकास मज़बूत बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित होता है और हमारे ब्रांड पर किसानों का भरोसा एक स्पष्ट प्रमाण है। इंजीनियरिंग से लेकर अमल करने तक हम जो भी निर्णय लेते हैं, उससे हम सुनिश्चित करते हैं कि किसान के खेतों में ज़्यादा उत्पादकता, भरोसा और बेहतर मूल्य प्राप्त हो।

सैमसंग ने पेश की बिल्कुल नई गैलेक्सी एफ70 सीरीज; खुद को अभिव्यक्त करने के लिए कैमरे को रखा सबसे आगे

गैलेक्सी एफ70 सीरीज युवा क्रिएटर्स को सशक्त बनाती है, ताकि उनका हर शॉट कॉन्फिडेंट और प्रभावशाली दिखे

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने बिल्कुल नई गैलेक्सी एफ70 सीरीज की घोषणा की है। इसे उन युवा उपभोक्ताओं के लिए बनाया गया है जो खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं। आज के युवाओं के लिए स्मार्टफोन कैमरा संवाद करने, जुड़ने और अपनी डिजिटल मौजूदगी बनाने के लिए एक %क्रिएटिव वॉइस% (रचनात्मक आवाज) बन गया है। आज की पीढ़ी के लिए कंटेंट सिर्फ बातचीत का जरिया नहीं है, बल्कि यह तय करता है कि लोग उन्हें कैसे याद रखेंगे। हर फोटो, स्टोरी और पोस्ट के पीछे एक खास उद्देश्य होता है—चाहे वह किसी मूड को बताना हो, किसी पल को कैद करना हो या अपनी बात मजबूती से रखनी हो। सैमसंग के तकनीकी नेतृत्व और अर्थपूर्ण नवाचारों पर आधारित गैलेक्सी एफ70 सीरीज कैमरे को स्मार्टफोन अनुभव के केंद्र में रखती है। गैलेक्सी एफ70 सीरीज दमदार हार्डवेयर और एआई आधारित फीचर्स के साथ आएगी। यह युवाओं की आगे बढ़ने की चाहत और रफ्तार को सशक्त बनाएगी ताकि वे अपनी अलग पहचान बना सकें। यह सीरीज मिड और किफायती सेगमेंट (30,000 रुपये से कम) की जरूरतों को पूरा करेगी। गैलेक्सी एफ70 सीरीज का पहला स्मार्टफोन फरवरी में 10,000 से 15,000 रुपये के सेगमेंट में लॉन्च किया जाएगा। इसके साथ ही सैमसंग की गैलेक्सी स्न

सीरीज के पोर्टफोलियो में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी।

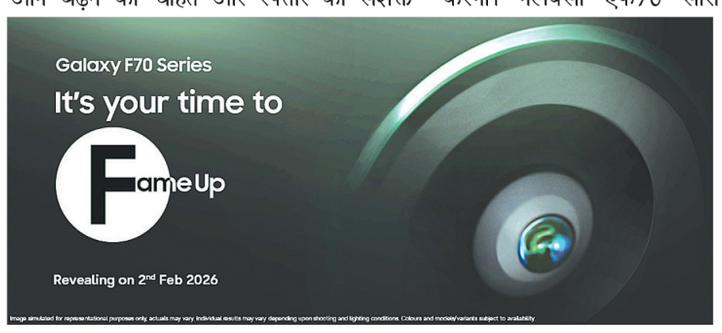

सैमसंग ने भारत में 100 प्रतिशत बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर्स लाइनअप की घोषणा की

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज 100 प्रतिशत बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स के अपने 2026 लाइनअप को लॉन्च किया। इस नई रेंज में अलग-अलग सेगमेंट में 23 मॉडल हैं, जिसमें 4 स्टार एयर कंडीशनर्स को भी शामिल किया गया है। यह नया लाइनअप भारतीय घरों और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखकर विशेष रूप से तैयार किया गया है, जिसमें एडवांस्ड एआई टेक्नोलॉजी, प्रीमियम डिज़ाइन और स्मार्ट कनेक्टिविटी का संगम है। ये प्रोडक्ट शानदार आरामदायक कूलिंग देता है, जिसमें इंटेलिजेंट कूलिंग, एनर्जी एफिशिएंसी और ह्यूमिडिटी मैनेजमेंट के साथ-साथ प्रिवेंटिव मेंटेनेंस भी शामिल है। बीस्पोक एआई विंडफ्री रेंज सैमसंग के उस फोकस को दर्शाती है जो इनोवेशन के माध्यम से रोज़मर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाता है ङ्क वह भी ज्यादा स्मार्ट, अधिक कुशल और सहज होम-कूलिंग अनुभव के साथ। घुफरान आलम, वाइस प्रेसिडेंट, डिजिटल एप्लायंसेज, सैमसंग इंडिया ने कहा, हमारे नए बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर लाइनअप के साथ, हमने होम कूलिंग को फिर से परिभाषित किया है, यह के साथ ही असली कम्फर्ट देता है। उपभोक्ता एआई एनर्जी मोड के माध्यम से बिजली की 30 प्रतिशत तक बचत कर सकते हैं, साथ ही उन्हें स्मार्टथिंग्स के जरिए स्मार्ट कनेक्टिविटी और स्मार्टथिंग्स होम केयर के साथ प्रिवेंटिव मेंटेनेंस भी मिलेगा। हमारी नई रेंज भारत की जलवायु चुनौतियों से निपटने वाले इनोवेशन के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 2026 बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स में उन्नत एआई -आधारित इनोवेशन्स का उपयोग किया गया है जोकि कमरे की स्थितियों, उपयोग पैटर्न और यूजर की प्राथमिकताओं का विश्लेषण करके लगातार आराम और कुशलता के साथ कूलिंग प्रदान करते हैं। सैमसंग की विंडफ्री कूलिंग टेक्नोलॉजी ठंडी हवा के झोंकों को खत्म करती है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस को शादियों के सीजन में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस कारोबार ने इस शादी के सीज़न में अपने होम लॉकर बिज़नेस के लिए मजबूत ग्रोथ का अनुमान जताया है। कंपनी को उम्मीद है कि बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इसकी वजह भारत के पीक मैरिज सीज़न के दौरान सुरक्षित और लंबे समय तक काम आने वाले गिफ्टिंग विकल्पों को लेकर उपभोक्ताओं की बढ़ती पसंद है।

शादी का मौसम अब होम सिक्योरिटी के लिए एक अहम उपभोग अवधि बन गया है। इस दौरान सोना, ज्वेलरी, नकद और ज़रूरी दस्तावेज़ों में निवेश बढ़ता है। सोने की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी के कारण जोखिम भी बढ़ा है, ऐसे में ज्वेलरी को सुरक्षित रखना एक ज़रूरी आवश्यकता बन गई है। शादियां घरेलू संपत्ति के निर्माण का एक बड़ा अवसर होती हैं और आज कई परिवार अपनी शादी की योजना में घर के भीतर सुरक्षित स्टोरेज को प्राथमिकता दे रहे हैं।

इसी बदलाव के अनुरूप, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस कारोबार ने होम लॉकर की एक व्यापक रेंज पेश की है, जो सामान्य अलमारियों की तुलना में कहीं अधिक मज़बूत हैं। ये लॉकर इस तरह डिज़ाइन किए गए हैं कि बिना अनुमति इन्हें एक्सेस नहीं किया जा सकता। साथ ही, ये चोरी और आग से भी सुरक्षित हैं। इन लॉकर की एक और खूबी यह है कि आधुनिक घरों के इंटीरियर के साथ भी ये आसानी से मेल खाते हैं। इस तरह कीमती सामान की सुरक्षा के साथ-साथ आपके घर की खूबसूरती को भी बढ़ते हैं। यह पोर्टफोलियो छोटे शहरी घरों से लेकर बड़े पारिवारिक घरों तक, सभी तरह के परिवारों की ज़रूरतों को पूरा करता है, जिससे सुरक्षित स्टोरेज पूरे भारत में अधिक सुलभ हो रहा है। ये उत्पाद ऐसे मौकों पर घर में आसानी से आने-जाने वाले लोगों से होने वाले जोखिमों से सुरक्षा की ज़रूरत को भी पूरा करते हैं। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप में सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के बिज़नेस हेड पुष्कर गोखले ने कहा, शादी का सीज़न अब हमारे लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम हो गया है। जब परिवार शादियों के दौरान सोने और अन्य कीमती सामान में बड़ा निवेश करते हैं, तो सुरक्षित स्टोरेज उस खरीदारी के फैसले का एक अहम हिस्सा बन रहा है। इससे हमारे बिज़नेस के लिए मजबूत और टिकाऊ विकास का अवसर बनता है।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज को रणनीतिक भागीदार बनाया

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत के पब्लिक हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को फिर से परिभाषित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में दुनिया के पहले एआई -आधारित, कॉन्टैक्टलेस रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम की सफल इंस्टॉलेशन की घोषणा की। यह एडवांस्ड सिस्टम नए उद्घाटन किए गए मेडिकल कॉलेज कॉम्प्लेक्स के हिस्से के रूप में एक स्टेप-डाउन आईसीयू वार्ड में लगाया गया है।

इस सुविधा का औपचारिक उद्घाटन असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया, जो राज्य की हेल्थकेयर यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है और असम को भारत में एआई -सक्षम क्लिनिकल केयर में सबसे आगे रखता है।

यह पहल माननीय मुख्यमंत्री के सक्रिय नेतृत्व को दर्शाती है, जिन्होंने असम के पब्लिक हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को विश्व स्तरीय मानकों तक पहुंचाने के लिए एक स्पष्ट और सोच-समझकर कदम उठाया है। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ साझेदारी में एडवांस्ड एआई -संचालित क्लिनिकल टेक्नोलॉजी को अपनाने का समर्थन करके, राज्य यह सुनिश्चित कर रहा है कि उसके नागरिकों को अधिक सटीक डायग्नोस्टिक्स, तेज क्लिनिकल मार्गदर्शन और विश्व स्तर पर बेंचमार्क देखभाल मानकों तक पहुंच मिले, जिससे असम भविष्य के लिए तैयार हेल्थकेयर डिलीवरी में एक राष्ट्रीय नेता के रूप में अलग पहचान बना रहा है। इस तैनाती के साथ, असम पब्लिक हेल्थकेयर सिस्टम के भीतर एआई -संचालित हॉस्पिटल मॉडल को चालू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है, जो लगातार, बिना किसी रुकावट के रोगी की निगरानी का लाभ उठाकर शुरुआती जोखिम का पता लगाने, वास्तविक समय में क्लिनिकल जानकारी और तेज, अधिक सटीक चिकित्सा निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। यह सिस्टम चौबीसों घंटे महत्वपूर्ण मापदंडों को ट्रैक करते समय शारीरिक संपर्क को समाप्त करता है, जिससे रोगी की सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण और क्लिनिकल दक्षता बढ़ती है, खासकर उच्च-निर्भरता देखभाल सेटिंग्स में। इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, डॉ. सच्चिदानंद उपाध्याय, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा, भारत का हेल्थकेयर सिस्टम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहां टेक्नोलॉजी को पायलट प्रोजेक्ट से आगे बढ़कर मुख्य क्लिनिकल इंफ्रास्ट्रक्चर बनना होगा। असम सरकार के साथ हमारा सहयोग रिएक्टिव केयर से प्रेडिक्टिव, एआई -आधारित हेल्थकेयर डिलीवरी की ओर बदलाव को दर्शाता है। दुनिया के पहले कॉन्टैक्टलेस, एआई -आधारित रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम को तैनात करके, हम डॉक्टरों को लगातार, वास्तविक समय की जानकारी प्रदान कर रहे हैं जो अधिक सटीक निदान, समय पर हस्तक्षेप और बेहतर रोगी परिणामों का समर्थन करती है। इस मॉडल को अपनाने में असम का नेतृत्व स्केलेबल, भविष्य के लिए तैयार पब्लिक हेल्थकेयर के लिए एक शक्तिशाली राष्ट्रीय बेंचमार्क स्थापित करता है।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक सर्विसेज फंड, सर्विसेज सेक्टर की ग्रोथ का मिलेगा फायदा

एनएफओ 4 फरवरी 2026 को खुलेगा और 18 फरवरी 2026 को बंद होगा

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने कोटक सर्विसेज फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो सर्विस सेक्टर पर आधारित है।

यह नया फंड ऑफर 4 फरवरी 2026 से 18 फरवरी 2026 तक खुला रहेगा। इसके जरिए निवेशकों को भारत के मुख्य ग्रोथ इंजन यानी सर्विस सेक्टर में निवेश करने का मौका मिलेगा। सर्विस सेक्टर भारत की कुल अर्थव्यवस्था में लगभग 55 प्रतिशत योगदान देता है और देश की 31.5 प्रतिशत आबादी को रोजगार देता है।

कंज्यूमर सर्विसेज, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, लॉजिस्टिक्स, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, पावर और ऑयल एंड गैस जैसे कई सेक्टर तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे भारत की सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है और लंबे समय के निवेशकों के लिए कई नए विकास के मौके पैदा कर रही है।

कोटक सर्विसेज फंड का लक्ष्य इन अलग-अलग अवसरों का फायदा उठाना है। इसके लिए फंड एक सख्त और सोच-समझ कर बनाई गई निवेश रणनीति अपनाएगा, जिसमें उचित कीमत पर ग्रोथ (ग्रोथ ऐट रीजनेबल प्राइस) और बॉटम-अप बीएएमवी फ्रेमवर्क (बिजनेस, मैनेजमेंट और वैल्यू) पर ध्यान दिया जाएगा।

भारत की सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव हो रहा : निलेश शाह

यह फंड सभी तरह की कंपनियों में निवेश करेगा (स्मॉल कैप, मिड कैप और लार्ज कैप कंपनियां), खासतौर पर उन अच्छी क्वालिटी के बिजनेस में जिनका कैश फ्लो मजबूत हो, बिजनेस मॉडल बढ़ाया जा सके, और जिनमें लंबे समय तक अच्छा रिटर्न देने की क्षमता हो। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, निलेश शाह ने कहा कि, भारत की सर्विस आधारित अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव हो रहा है। यह बदलाव लोगों की बढ़ती आमदनी, डिजिटल तकनीक के ज्यादा इस्तेमाल और शहरों के तेजी से बढ़ने की वजह से आ रहा है। इन कारणों से यह बदल रहा है कि लोग चीजें कैसे खरीदते हैं, लेन-देन कैसे करते हैं और जरूरी सेवाओं का उपयोग कैसे करते हैं। कोटक सर्विसेज फंड के जरिए हमारा लक्ष्य ऐसा पोर्टफोलियो बनाना है जो भारत की सर्विस इकोनॉमी में आने वाले नए मौकों का फायदा उठा सके और निवेशकों को लंबे समय में अच्छा रिटर्न दे सके। कोटक सर्विसेज फंड के फंड मैनेजर, रोहित टंडन ने कहा कि, सर्विस सेक्टर में खर्च पर आधारित और एक्सपोर्ट पर आधारित, दोनों तरह के बिजनेस शामिल हैं, जिससे इसमें स्थिरता और ग्रोथ दोनों मिलती हैं। हमारे हिसाब से सर्विस सेक्टर भारत के बाजार में मजबूती और तेजी से बढ़ने की क्षमता का बेहतरीन मेल है।

प्राइवेट नौकरी वाले करोड़ों लोगों को लगेगा झटका

ईपीएफ के ब्याज पर कैंची चलाने की तैयारी में सरकार!

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट नौकरी करने वाले करोड़ों लोगों के लिए अच्छी खबर नहीं है। ईपीएफओ फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए ईपीएफ पर ब्याज दर कम कर सकता है। ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की मार्च के पहले हफ्ते में मीटिंग होनी है। इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इसमें ईपीएफ पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत से घटाकर 8 प्रतिशत से 8.20 प्रतिशत किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक ईपीएफओ अपने घटते कॉर्पस को रोकने के लिए ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी बचत योजना है। इसमें कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी का 12 प्रतिशत हिस्सा कंट्रीब्यूट करता है जबकि कंपनी भी इतना हो योगदान देती है। एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन में से 8.33 प्रतिशत कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है। ईपीएफ अकाउंट में जमा रकम पर ब्याज मिलता है। ईपीएफओ की फाइनेंस, इनवेस्टमेंट और ऑडिट कमेटी की फरवरी के अंतिम हफ्ते

में बैठक होगी। इसमें निवेश पर रिटर्न के आधार पर ब्याज दर का फैसला होगा। फिर सीबीटी के पास इसकी सिफारिश भेजी जाएगी। अगर सीबीटी ब्याज दर को मंजूरी देती है तो इसे वित्त मंत्रालय से भी मंजूरी की जरूरत होगी। उसके बाद श्रम एवं रोजगार मंत्रालय इसे आधिकारिक रूप से नोटिफाई करेगा और साल के मध्य में ब्याज की राशि सब्सक्राइबर्स के खातों में डाली जाएगी। हालांकि सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए ब्याज दरों को लगातार तीसरे साल यथावत रखा जा सकता है। साथ ही बोर्ड वेज सीलिंग को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा कर सकता है। हालांकि अभी सीबीटी की मीटिंग का एजेंडा फाइनल नहीं हुआ है। जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने ईपीएफओ को निर्देश दिया था कि वह वेज सीलिंग पर चार महीने के भीतर विचार करे। इस सीलिंग में आखिरी बार 2014 में बदलाव हुआ था।

महावीर जयंति पर खुले रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने 31 मार्च 2026, मंगलवार को पहले से तय बैंक छुट्टी को रद्द कर दिया है। दरअसल, कुछ राज्यों में महावीर जयंती के कारण 31 मार्च को बैंक बंद रहने वाले थे लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। आरबीआई के नए आदेश के अनुसार 31 मार्च को बैंक खुले रहेंगे और बैंकिंग से जुड़े सभी जरूरी काम होंगे। दरअसल, 31 मार्च किसी भी फाइनेंशियल ईयर की आखिरी तारीख होती है। इस तारीख तक सभी सरकारी प्राप्तियों और भुगतानों का हिसाब सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आरबीआई से अपील की थी। इसी के अनुसार, आरबीआइ ने सभी एजेंसी बैंकों को सलाह दी है कि वे 31 मार्च, 2026 (मंगलवार) को सरकारी कामकाज से जुड़ी अपनी सभी शाखाओं को खुला रखें।

97 गुना बढ़ा अडानी की दिग्गज कंपनी का मुनाफा, 2200 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का कंसॉलिडेटेड मुनाफा दिसंबर 2025 तिमाही में 97 गुना बढ़ा है। अडानी एंटरप्राइजेज को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 5627 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 58 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। अडानी एंटरप्राइजेज को दिसंबर 2025 तिमाही में 5632 करोड़ रुपये का वन-टाइम गेन हुआ है। यह फायदा अडानी विल्मर लिमिटेड में हिस्सेदारी बेचने से हुआ है।

10 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर मंगलवार

को क्त्रस्थ में 10 पर्सेंट से ज्यादा चढ़कर 2201.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। दिन के कारोबार के दौरान कंपनी के शेयरों ने 2232 रुपये के हाई लेवल को भी छुआ। अगर पिछले एक साल की बात करें तो कंपनी के शेयर लगभग फ्लैट रहे हैं। वहीं, पिछले छह महीने में अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में करीब 4 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। पिछले 5 साल में अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 281 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2611.46 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1850 रुपये है। अडानी एंटरप्राइजेज का रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 24,820 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी का रेवेन्यू 9 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में अडानी ग्रुप की इस कंपनी का रेवेन्यू 22,848.42 करोड़ रुपये था। तिमाही आधार पर देखें तो अडानी एंटरप्राइजेज का मुनाफा 76 पर्सेंट बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 3,199 करोड़ रुपये था।

लीसा रे

ने 50 की उम्र में बदली 'बीच बॉडी' की परिभाषा

'अब मंजूरी नहीं, आजादी जरूरी'

फिल्म और फैशन की दुनिया में फिटनेस और लुक्स काफी मायने रखते हैं। ऐसे में एक्ट्रेसेस के लिए उम्र बढ़ने के साथ यह दबाव और भी बढ़ता जाता है, लेकिन कुछ अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिन्होंने इन दबावों को नहीं माना और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हैं। अभिनेत्री लीसा रे उन्हीं में से एक हैं। 50 साल की उम्र में उन्होंने 'बीच बॉडी' की सोच को नए मायने दिए हैं और इसे आत्मस्वीकृति, आजादी और आत्मसम्मान से जोड़कर देखा है। लीसा रे ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर बीच से अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ''एक समय था जब बीच पर खूबसूरत दिखने का मतलब एक तय इमेज से जोड़ा जाता था, रेड स्विमसूट, रेड लिपस्टिक और हर हाल में परफेक्ट दिखने का दबाव। साल 1991 के ग्लैडरैग्स कवर ने मेरी यही छवि लोगों के मन में बसा दी थी और इसी छवि के सहारे मैंने अपना करियर भी बनाया। लेकिन, आज मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने आज रखती है।''उन्होंने आगे लिखा, ''शरीर समय के साथ बदला है, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आए हैं, बीमारियों से लड़ी हूं और खुद को फिर से खड़ा किया है। अब दूसरों की मंजूरी से ज्यादा सुकून अपने आप को स्वीकार करने में मिलता है। उन असंभव सुंदरता मानकों से बाहर निकलना ही मुझे असली राहत है। ये मानक महिलाओं के लिए बनाए ही ऐसे गए थे कि उन्हें पूरा करना मुश्किल लगता है।'' लीसा रे ने हॉलीवुड अभिनेत्री पामेला एंडरसन का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'पामेला कभी रेड स्विमसूट में दिखाई देने वाली सबसे बड़ी फैंटेसी मानी जाती थीं। लेकिन आज वह खुद उस छवि को तोड़ चुकी हैं और अपनी पहचान खुद गढ़ रही हैं। 'लीसा ने कहा, मुझे ग्लैमर या मेकअप से कोई परेशानी नहीं है। शूट, रील्स और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए सजना-संवरना मजेदार लगता है। बीच मेरे लिए वह जगह है, जहां मैं पूरी तरह नेचुरल रहना चाहती हूं। उन्होंने कहा, ''1990 के दशक में सनस्क्रीन का ज्यादा चलन नहीं था। मैं कई बार धूप में बुरी तरह झुलसी हूं। आज उसकी छाप मेरी त्वचा पर दिखती है। लेकिन यह मेरी कमजोरी नहीं है। यह सब उनकी जिंदगी का हिस्सा है और मैं इसके साथ पूरी तरह सहज हूं।''

अनन्या बिड़ला

ने लॉन्च किया बिड़ला स्टूडियोज

बिड़ला स्टूडियोज की शुरुआत एक साफ़ सोच के साथ की गई है, ऐसा कमर्शियल सिनेमा बनाना जो बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़े, लेकिन अपनी क्लास और क्रिएटिव पहचान भी बनाए रखे। यहां कहानियां होंगी दमदार, सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई और ऐसी, जो एंटरटेनमेंट और आर्ट दोनों का खूबसूरत संतुलन पेश करें। सिनेमा को आत्म-अभिव्यक्ति का सबसे असरदार ज़रिया मानने वाली अनन्या बिड़ला की सोच से प्रेरित होकर, बिड़ला स्टूडियोज ऐसे सिनेमा को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है जो दिल को तुरंत छू जाए और लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ दे। यहां क्रिएटिव ऊंचाइयों के साथ-साथ कमर्शियल समझ पर भी उतना ही ज़ोर होगा, ताकि फिल्में मायने भी रखें और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचें। अनन्या बिड़ला कहती हैं, हम सभी कहानियों से बने हैं। सिनेमा उन कहानियों को कहने का सबसे ताक़तवर माध्यम है। जब सिनेमा अपने शिखर पर होता है, तो वह पल भर में दिल से जुड़ जाता है और बरसों तक साथ रहता है। बिड़ला स्टूडियोज में हमारा फोकस ऐसी फिल्मों को चुनने पर है जो सांस्कृतिक महत्व और भरपूर मनोरंजन के बीच संतुलन बनाए रखें, नए टैलेंट को मौका दें और अलग-अलग जॉनर, नई आवाज़ों और विविध नज़रियों को सामने लाएं। इस सफ़र में इंडस्ट्री से मिले अपनापन और सपोर्ट ने हमें और हौसला दिया है। भारतीय सिनेमा को आगे ले जाने में अगर हम छोटा सा भी योगदान दे पाए, तो यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी। बिड़ला स्टूडियोज एक मल्टी-लैंग्वेज स्लेट पर काम कर रहा है, जिसमें हिंदी, गुजराती, मलयालम समेत कई क्षेत्रीय भाषाओं के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश सिनेमा भी शामिल होगा। मकसद साफ़ है - सरहदों और संस्कृतियों के पार दर्शकों से जुड़ना। आने वाले प्रोजेक्ट्स के खुलासे के लिए जुड़े रहिए, बिड़ला स्टूडियोज जल्द ही अपनी फिल्मों की दुनिया का दरवाज़ा खोलने वाला है।

महेश बाबू बनेंगे भगवान राम

राजामौली दिखाएंगे पिता-पुत्र का रिश्ता, रामायण का अध्याय

एसएस राजामौली ने जब से अपनी एक्शन फैंटेसी एपिक 'वाराणसी' का ऐलान किया, तभी से यह फिल्म चर्चाओं में है। फिल्म की कास्ट में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन का नाम देख लोगों का उत्साह चरम पर पहुंचा। फिर जब ग्रैंड टीजर लॉन्च हुआ, तो इसने उम्मीदों को कई गुना बढ़ा दिया। अगले साल 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो रही 'वाराणसी' में महेश बाबू के रोल को लेकर एक ऐसा खुलासा हुआ है, जो आपकी धड़कन बढ़ा देगा। महेश बाबू ने अब खुद यह बताया है कि यह फिल्म भारतीय महाकाव्य रामायण के एक अध्याय से प्रेरित है। यही नहीं, महेश बाबू का किरदार 'रुद्र', फिल्म के एक हिस्से में भगवान राम की भूमिका में होगा। राजामौली दिखाएंगे पिता-पुत्र का रिश्ता। महेश बाबू का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब एसएस राजामौली ने बताया कि फिल्म में एक युद्ध वाला सीन है। इस सीन को बड़े पर्दे पर ग्रैंड और ओवर द टॉप बनाने के लिए डायरेक्टर साहब ने इसे IMAX फॉर्मेट में शूट किया है। पर्दे पर अद्भुत और अकल्पनीय विजुअल एक्सपीरियंस रचने के लिए पहचाने जाने वाले राजामौली ने हालांकि, यह भी भी बताया कि 'वाराणसी' स्टैंड अलोन फिल्म है।

प्रियंका चोपड़ा की खूबसूरती के दीवाने हो गए थे निक जोनास

एक मैसेज से शुरु हुई लव स्टोरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और निक की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से बिल्कुल भी कम नहीं हैं। पहली ही मुलाकात में प्रियंका की खूबसूरती के कायल हो गए थे सिंगर निक जोनस। प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग छाप छोड़ने के बाद हॉलीवुड में भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास की पहली मुलाकात साल 2016 में हुई थी। पहली ही नजर में निक प्रियंका की खूबसूरती के दीवाने हो गए। उन्होंने एक्ट्रेस के को-स्टार को मैसेज कर कहा की प्रियंका बेहद खूबसूरत हैं। इतना ही नहीं निक ने प्रियंका के इंस्टाग्राम आईडी पर मैसेज किया और बिल्कुल अलग अंदाज में पूछा 'हमारे कुछ कॉमन दोस्त हैं जो कह रहे थे कि हमें मिलना चाहिए'। इसके बाद प्रियंका ने रिप्लाई दिया और दोनों ने नंबर एक्सचेंज कर लिया। साल 2017 में दोनों पहली बार मेट गाला के रेड कार्पेट पर कपल के तौर पर नजर आए। इसके बाद निक और प्रियंका डेट पर ग्रीस गए थे। जहां निक ने उन्हें घुटने पर बैठकर शादी के लिए प्रपोज किया था। साल 2018 में उदयपुर में दोनों ने हिंदू और क्रिश्चियन रीति-रिवाजों के साथ शादी के बंधन में बंध गए। फिर साल 2022 में सरोगेसी के जरिए प्रियंका ने बेटी का स्वागत किया. कपल ने अपनी बेटी का नाम मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा।

सनी देओल की बॉर्डर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 315.10 करोड़ रुपए की कमाई की

सनी देओल अभिनीत फिल्म बॉर्डर 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म अब तक 315.10 करोड़ रुपए की कमाई कर चुकी है।

फिल्म 23 जनवरी को रिलीज़ हुई थी, जिसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। यह 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। फिल्म में सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सनी देओल इसके पहले भाग बॉर्डर में भी थे। फिल्म ने रिलीज़ के पहले दिन 32.10 करोड़ रुपए और पहले सप्ताहांत में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 129.89 करोड़ रुपए की कमाई की। पहले सप्ताह के दौरान फिल्म की कमाई 244.97 करोड़ रुपए रही।फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बॉक्स ऑफिस के आंकड़े साझा किए। पोस्ट में फिल्म का पोस्टर भी शामिल था। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अब तक कुल 315.10 करोड़ रुपए की कमाई की है।

करियर के शिखर पर छोड़ा सिनेमा

जब उर्मिला मातोंडकर ने शोहरत से खुद बना ली दूरी

बॉलीवुड में सफलता अक्सर कलाकारों को लंबे समय तक बांध कर रखती है। जब कोई कलाकार लोकप्रियता, कमाई और दर्शकों के प्यार तीनों के शिखर पर होता है तो आमतौर पर वह उस दौर को जितना हो सके, उतना लंबा खींचना चाहता है, लेकिन हिंदी सिनेमा में कुछ नाम ऐसे भी हैं, जिन्होंने ठीक उसी वक्त फिल्मों से दूरी बनाने का फैसला लिया, और इन्हीं नामों में एक नाम है उर्मिला मातोंडकर का। जब उनका करियर अपने सबसे सुनहरे दौर में था, तभी उन्होंने पर्दे से ब्रेक ले लिया। उर्मिला मातोंडकर को बचपन से ही अभिनय में दिलचस्पी थी। बहुत कम उम्र में उन्होंने कैमरे का सामना कर लिया था। महज तीन साल की उम्र में उन्होंने फिल्म 'कर्म' से बतौर बाल कलाकार काम शुरू किया। इसके बाद वह 'मासूम' में नजर आई। पढ़ाई के साथ-साथ वह अभिनय करती रहीं और धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया का जाना-पहचाना चेहरा बन गई। बतौर लीड एक्ट्रेस उर्मिला को असली पहचान साल 1995 में आई फिल्म 'रंगीला' से मिली।आमिर खान और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े सितारों के बीच भी उर्मिला सबसे ज्यादा चर्चा में रहीं। उनके डांस, आत्मविश्वास और नए अंदाज ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसी फिल्म के बाद वह 'रंगीला गर्ल' कहलाने लगीं। 'रंगीला' को कई बड़े पुरस्कार मिले और उर्मिला को भी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला। 'रंगीला' के बाद उर्मिला ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'सत्या', 'कौन', 'मस्त', 'दौड़' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। वह सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने गंभीर और सशक्त भूमिकाओं में भी खुद को साबित किया।

'दो दीवाने सहर में' ट्रेलर हुआ रिलीज

वैलेंटाइन वीक में नजर आएगी सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की लव स्टोरी

ज़ी स्टूडियोज़ और भंसाली प्रोडक्शंस की मोस्ट अवेटेड फिल्म दो दीवाने सहर में का ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। इमोशनल और रियल फील देने वाले टीज़र के बाद, सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर स्टारर यह फिल्म अब रोमांस को और गहराई देती दिख रही है, जो काफी सच्ची और रिलेटेबल लगती है। ट्रेलर एक ऐसी मॉडर्न लव स्टोरी की झलक देता है जो परफेक्शन के पीछे नहीं भागती, बल्कि इमोशन्स को जैसे हैं वैसे ही दिखाती है।मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी स्टारर यह फिल्म प्यार को किसी फेयरीटेल की तरह नहीं, बल्कि एक असल सफर की तरह पेश करती है, जो थोड़ी उलझी हुई, नर्म और धीरे-धीरे बदलने वाली है। भागदौड़ भरे शहर के बीच ट्रेलर दो ऐसे लोगों से मिलवाता है जो एक-दूसरे को पूरा करने नहीं, बल्कि समझने की कोशिश करते हैं। उनकी बॉन्डिंग खामोशियों, छोटी-छोटी नज़रों, अधूरी बातचीत और उन फैसलों के साथ आगे बढ़ती है, जो देर तक असर छोड़ते हैं। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर ट्रेलर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा,सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की केमिस्ट्री ट्रेलर में बेहद प्यारी और नेचुरल लगती है। दोनों ऐसे किरदार निभाते नज़र आते हैं जो अभी खुद को समझने की कोशिश में हैं, और लव स्टोरीज़ में ऐसा कम ही देखने को मिलता है। सच्चे रोमांस और इमोशनल कनेक्ट के साथ यह जोड़ी साल की सबसे दिल छू लेने वाली ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बनकर उभरती है।ज़ी स्टूडियोज़ और भंसाली प्रोडक्शंस प्रस्तुत 'दो दीवाने सहर में' में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन रवि उद्यावर ने किया है और इसे संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भारत कुमार रंगा ने रवि उद्यावर फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। वैलेंटाइन वीक के आसपास रिलीज़ होने वाली यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में आएगी।

(साभार एजेंसी)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली को हराकर डब्ल्यूपीएल खिताब जीता

मंधाना ने 87, जॉर्जिया ने 79 रन बनाए

भाषा ⏭ वडोदरा

कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने महिला प्रीमियर लीग चार के बड़े स्कोर वाले रोमांचक फाइनल में बृहस्पतिवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया। अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियनस दोनों के नाम पर दो-दो डब्ल्यूपीएल खिताब हो गए हैं। दिल्ली की टीम को लगातार चौथी बार फाइनल में खेलते हुए शिकस्त का सामना करना पड़ा। दिल्ली के 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने स्मृति (87 रन, 41 गेंद, 12 चौके, तीन छक्के) और जॉर्जिया (79 रन, 54 गेंद, 14 चौके) के बीच दूसरे विकेट की 165 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में चार विकेट पर 204 रन बनाकर जीत दर्ज की। चिनेल हेनरी (34 रन पर दो विकेट) और नंदिनी (41 रन पर एक विकेट) ने अंतिम ओवरों में दिल्ली कैपिटल्स को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन टीम को हार से नहीं बचा पाईं। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (57), लॉरा वोल्वार्ट (44), सलामी बल्लेबाज लिजेल ली (37) और सलामी बल्लेबाज हेनरी (नाबाद 35) की पारियों से चार विकेट पर 203 रन बनाए। जेमिमा ने 37 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके मारे और वोल्वार्ट के साथ तीसरे विकेट के लिए 76 रन जोड़े जिन्होंने 25 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे।

- दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी
- डिवाइन रहीं प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट
- बेंगलुरु को 6 व दिल्ली को 3 करोड़ मिले

दिल्ली-203/4 (20)

खिलाड़ी	रन
लिजेल का हैरिस बो डि क्लर्क	37
शेफाली का रिचा बो अरुंधति	20
लॉरा वोल्वार्ट रन आउट	44
जेमिमा का डि क्लर्क बो सतघरे	57
चिनेल हेनरी नाबाद	35
अतिरिक्त: 10	
कुल: 20 ओवर में चार विकेट पर: 203 रन	
विकेट पतन: 1-49, 2-72, 3-148, 4-203	
गेंदबाजी: बेल 4-0-19-0, सतघरे 4-0-46-1, अरुंधति 4-0-40-1, श्रेयंका 2-0-32-0, डि क्लर्क 4-0-48-1, राधा 2-0-18-0	

बेंगलुरु-204/4 (19.4)

खिलाड़ी	रन
ग्रेस हैरिस बो हेनरी	09
स्मृति मंधाना बो हेनरी	87
जॉर्जिया का शेफाली बो मीनू	79
ऋचा घोष का मीनू बो नंदिनी	06
नेदिन डि क्लर्क नाबाद	07
राधा यादव नाबाद	12
अतिरिक्त: 04	
कुल:19.4 ओवर में चार विकेट पर: 204 रन	
विकेट पतन: 1-9, 2-174, 3-181, 4-191	
गेंदबाजी: कैप 4-0-38-0, हेनरी 4-0-34-2, नंदिनी 4-0-40-1, श्री चरणी 3.4-0-46-0, शेफाली 1-0-9-0, मीनू 2-0-19-1, स्नेह 1-0-15-0	

खबर संक्षेप

भारत बिली जीन किंग कप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ ने कहा कि देश को बिली जीन किंग कप 2026 महिला टेनिस विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है।
एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने एक बयान में कहा, ''भारत को इस साल अप्रैल में गेनब्रिज एशिया/ओसियाना ग्रुप एक प्रतियोगिता के तहत बिली जीन किंग कप 2026 महिला टेनिस विश्व कप की मेजबानी का मौका मिला है।'' यह प्रतियोगिता सात से 11 अप्रैल तक दिल्ली लॉन टेनिस संघ परिसर के नए नवीनीकृत कोर्ट पर होगी।

ओलंपिक में मशाल थामकर गौरवान्वित हूं

नई दिल्ली। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि मिलान कोर्तिना शीतकालीन खेलों से पहले ओलंपिक मशाल थामकर वह काफी अच्छा और गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। शीतकालीन ओलंपिक शुक्रवार को इटली में शुरू हो रहे हैं। बीजिंग ओलंपिक 2008 में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा को पिछले साल अक्टूबर में मशाल वाहक चुना गया था। शीतकालीन ओलंपिक 22 फरवरी को समाप्त होंगे। इसमें 16 खेलों में 116 पदक दाव पर लगे हैं।
बिंद्रा ने बारिश के बीच ली गई तस्वीरों को एक्स पर साझा करते हुए लिखा मिलानोकोर्तिना 26 में ओलंपिक की मशाल थामकर गौरवान्वित हूं यह एकता, दृढता और साझा मानवीय आकांक्षा का प्रतीक है।'

धाविका पूजा डोप टेस्ट नहीं देने के कारण निलंबित

नई दिल्ली। भारत की लंबी दूरी की धाविका पूजा आत्माराम को डोप टेस्ट से बचने के कारण एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। एआईयू ने एक संक्षिप्त बयान में कहा एआईयू ने भारत की पूजा आत्माराम को नमूना देने से बचने, मना करने या नहीं देने के कारण अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। आरोप का नोटिस जारी कर दिया गया है। पूजा को विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी की आचार संहिता की धारा 2.3 के उल्लंघन के कारण निलंबित किया गया है। पांच हजार और 10000 मीटर में भाग लेने वाली राजस्थान की पूजा 2024 में इंडियन ग्रां प्री 2 में तीसरे स्थान पर रही थी। पिछले साल लखनऊ में राष्ट्रीय क्रॉसकंट्री चैम्पियनशिप में वह 25वें स्थान पर रही।

अंडर 19 वर्ल्ड कप का फाइनल मैच आज हरारे स्टेडियम में दोपहर 1 बजे से

पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहा भारत इंग्लैंड के बीच खिताबी जंग आज

एजेंसी ⏭ हरारे

भारत ने पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए एक बार फिर अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया ने भारत का सपना तोड़ दिया था। अब दो साल बाद टीम इंडिया खिताब से बस एक कदम दूर खड़ी है। सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को हराने के बाद भारतीय टीम के हौसले सातवें आसमान पर हैं। कप्तान आयुष म्हात्रे की अगुवाई में टीम इतिहास रचने को तैयार है। वहीं इंग्लैंड की टीम भी पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रही और वह भी खिताब जीतने पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेगी। ऐसे में भारत के गेंदबाजों व बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर एक बजे से शुरू होगा। भारत ने अभी तक एक भी मैच बिना हारे फाइनल में जगह बनाई है और अब उसका सामना एक और अपराजेय टीम इंग्लैंड से होना है। भारत को बखूबी पता है कि गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड के हौसले बुलंद है और उसे हराना आसान नहीं होगा।

इंग्लैंड की टीम को कम आकना होगी बड़ी भूल

इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले शीर्ष पांच गेंदबाजों में कोई भारतीय नहीं है। इंग्लैंड के मैन्नी लुम्सडेन 15 विकेट लेकर शीर्ष पर है। इंग्लैंड के लिए बेन मायेस ने एक शतक और दो अर्धशतक समेत 399 रन बनाए हैं। कप्तान थॉमस रियू भी अच्छे फॉर्म में हैं और सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक समेत 299 रन बना चुके हैं।

इन बल्लेबाजों पर टिकी है भारत की उम्मीदें

सेमीफाइनल में शानदार जीत के बाद भारत अपनी विनिंग प्लेइंग 11 के साथ ही मैदान पर उतर सकता है। एरोन जॉर्ज और वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए खतरा बन सकती है। सबसे अच्छी खबर यह है कि कप्तान आयुष म्हात्रे और विहान मल्होत्रा के बल्ले से भी लगातार रन निकल रहे हैं। वहीं, अभिज्ञान कुंडू निचले क्रम में टीम को मजबूती दे रहे हैं।

गेंदबाजों को दिखाना होगा दम

फाइनल मैच में टीम इंडिया को अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। आर.एस अंबरीश, हेलिन पटेल और दीपेश को भी गेंद से कमाल दिखाना होगा। स्पिनर कनिष्क चौहान और खिलन पटेल की भूमिका भी अहम रहेगी। ज्ञात हो कि इंग्लैंड के बल्लेबाज तेज गेंदबाजों को खेलने में माहिर हैं।

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग 11

एरोन जॉर्ज, वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू, आर.एस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेलिन पटेल, दीपेश देवेन्द्रन।
इंग्लैंड : थॉमस रियू (कप्तान), राल्फी अलबर्ट, अली फारूक, बेन डॉकिंस, कालेब फाकनेर, फरहान अहमद, एलेक्स ग्रीन, एलेक्स ग्रीन, ल्यूक हैंड्स, इसाक मोहम्मद, मैन्नी लुम्सडेन, बेन मायेस, जेम्स मिंटो, जोसेफ मूरेस, सेबेस्टियन मोर्गन

भारत हार के बावजूद क्वार्टर फाइनल में

महिला टीम चीन से, जबकि पुरुष टीम कोरिया से भिड़ेगी

बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप

भाषा ⏭ किंगदाओ (चीन)

भारत की पुरुष और महिला टीम बृहस्पतिवार को यहां बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में अपने आखिरी ग्रुप मैच में क्रमशः जापान और थाईलैंड से 2-3 से करीबी हार के बावजूद क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। गत चैंपियन भारतीय महिला टीम का मुकाबला मेजबान चीन से होगा जबकि पुरुष टीम अंतिम आठ चरण में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी। युवा तन्वी शर्मा के शानदार प्रदर्शन के बावजूद गत चैम्पियन भारत को ग्रुप वाय के दूसरे मैच में थाईलैंड के हाथों 2-3 से पराजय झेलनी पड़ी। इस हार के बावजूद भारत ने क्वार्टर फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया। म्यामां को पहले मैच में 5-0 से हराने के बाद भारत ग्रुप वाय में थाईलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहा।दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी और 2024 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम की सदस्य रही तन्वी ने विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज बुसानन ओंगामरूनंगफान को 21-14, 17-21, 21-18 से हराया। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने इसके बाद 65वीं रैंकिंग वाली टी क्लीबायीसुन और नत्तामोन लेइसुआन की जोड़ी को 21-14, 20 -22, 21-11 से हराया। रक्षिता रामराज हालांकि 2023 विश्व जूनियर चैम्पियन 19 वर्ष की पिचामोन ओमाल्लिपुत से 19-21, 17 . 21 से हार गई।

टी-20 विश्व कप

इतिहास में भारतीय टीम द्वारा बनाए गए सबसे बड़े स्कोर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप के इतिहास में भारतीय क्रिकेट टीम ने कई बार अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से दुनिया को हैरान किया है। बड़े मंच पर खेले गए मुकाबलों में भारतीय टीम ने ऐसे विशाल स्कोर खड़े किए, जिन्होंने विरोधी टीमों की कमर तोड़ दी। ये स्कोर सिर्फ रन नहीं, बल्कि भारतीय बल्लेबाजों की आक्रामक सोच और ताकत का प्रतीक हैं। ऐसे में आइए जानते हैं भारतीय टीम द्वारा बनाए गए टी-20 विश्व कप में सबसे बड़े स्कोर।

218/4- साल 2007

भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2007 के विश्व कप में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ 218/4 का स्कोर बना दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए गौतम गंभीर ने 41 गेंदों में 58 रन बनाए थे। वीरेंद्र सहवाग के बल्ले से 52 गेंदों में 68 रन निकले थे।

210/2- साल 2021

भारतीय टीम का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर साल 2021 के टी-20 विश्व कप में आया था। टीम ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 210/2 का स्कोर बनाया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहित शर्मा ने 47 गेंदों का सामना करते हुए 74 रन बनाए थे। ऋषभ पंत ने 13 गेंद में 27 रन और हार्दिक पांड्या ने 35 रन बनाए थे। केएल राहुल के बल्ले से 69 रन निकले थे। जवाब में अफगानिस्तान 144/7 का स्कोर ही बना पाई थी।

205/5- 2024

भारतीय टीम ने साल 2024 के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ 205/5 का स्कोर बनाया था। ये टी-20 विश्व कप के इतिहास में उनका तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी थी। रोहित ने 41 गेंदों का सामना कर 92 रन बनाए थे। उन्होंने 7 चौके और 8 छक्के लगाए थे। जवाब में कंगारू टीम 181/7 का स्कोर ही बना पाई थी। भारतीय टीम को 24 रन से जीत मिली थी।

196/5- 2024

भारतीय टीम का चौथा सबसे बड़ा स्कोर भी साल 2024 के ही विश्व कप में आया था। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के खिलाफ टीम ने 196/5 का स्कोर बना दिया था। हार्दिक पांड्या ने 27 गेंदों का सामना कर 50 रन बनाए थे। विराट कोहली ने 37 रन बना दिए थे।जवाब में बांग्लादेश की टीम 146/8 का स्कोर ही बना पाई थी। भारतीय टीम को उस मैच में 50 रन से शानदार जीत मिली थी।

मीराबाई चानू ने नेशनल चैंपियनशिप में तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड किए ध्वस्त

एजेंसी ⏭ मोदीनगर

भारतीय वेटलिफ्टिंग की स्टार खिलाड़ी मीराबाई चानू ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उनका नाम क्यों देश की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना जाता है। उत्तर प्रदेश के मोदीनगर में आयोजित नेशनल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में मीराबाई ने 48 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही दिन में तीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिए और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 48 किलोग्राम भार वर्ग में अखिल भारतीय पुलिस की राधा सोनी ने 183 किलोग्राम के कुल वजन के साथ रजत पदक जीता, जबकि कोमल कोहर ने कांस्य पदक हासिल किया।

अपने ही पुराने स्तर को किया पार

यह प्रदर्शन मीराबाई के हालिया अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों से भी बेहतर रहा। 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप में उन्होंने 199 किलोग्राम के कुल वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता था, जबकि इस बार उनका कुल स्कोर 205 किलोग्राम रहा। हालांकि स्नैच में 91 किलोग्राम की कोशिश वह पूरी नहीं कर सकीं, लेकिन इससे उनके दबदबे पर कोई असर नहीं पड़ा।

48 किलोग्राम वर्ग में ऐतिहासिक प्रदर्शन

बता दें कि 48 किग्रा वर्ग में उतरते ही मीराबाई का आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। स्नैच में उन्होंने 89 किलोग्राम वजन उठाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में 116 किलोग्राम भार उठाकर दूसरा रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इन दोनों लिफ्ट्स को मिलाकर उनका कुल स्कोर 205 किलोग्राम रहा, जो इस कैटेगरी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय प्रदर्शन है। इस तरह स्नैच, क्लीन एंड जर्क

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप

सुरुचि-राणा को एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

उभरती हुई निशानेबाज सुरुचि सिंह और विश्व चैंपियन सम्राट राणा को शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद बृहस्पतिवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा लेकिन भारत ने अपना दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक की संख्या को 10 तक पहुंचा दिया। रश्मिका सहगल और वंशिका चौधरी ने जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल जबकि प्रियांशी पूर्वा और चहक कोहली इसी स्पर्धा के युवा वर्ग में शीर्ष दो स्थानों पर कब्जा जमाया। उज्बेकिस्तान के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में निगीना सैदकुलोवा और मुखम्मद कमालोव ने सम्राट और सुरुचि को 479.6 के मुकाबले 481.3 अंक से हराकर जीता। प्रतियोगिता के दो दिन के बाद भारत 10 स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को झटका

वॉर्म-अप मैच में चोटिल हुए तेज गेंदबाज हर्षित

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लग सकता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मुकाबले के दौरान तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोटिल होकर मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में हर्षित ने सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी की और इसके बाद लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। हर्षित की फिटनेस को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप बेहद करीब है और अगर हर्षित राणा टूर्नामेंट से बाहर होते हैं तो यह टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका होगा। फिलहाल बीसीसीआई की आधिकारिक मेडिकल रिपोर्ट का इंतज़ार किया जा रहा है।

घुटने में दिखी परेशानी, बढ़ी चिंता

इस मैच में 24 वर्षीय हर्षित राणा ने अपने एकमात्र ओवर में 16 रन दिए। ओवर खत्म होने के बाद वह स्पष्ट रूप से असहज नजर आए और घुटने को पकड़ते हुए मैदान से बाहर जाते दिखे। हर्षित इसके बाद दोबारा मैदान पर नहीं लौटे। गेंदबाजी के दौरान भी वह दो बार अपने रन-अप से पीछे हटते नजर आए, जिससे साफ हो गया कि वह परेशानी में हैं।

सरफराज खान अस्पताल में भर्ती

मुंबई। मुंबई क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान को वायरल बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसे में शुक्रवार से मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स पर कर्नाटक क्रिकेट टीम के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में उनका खेलना संदिग्ध है। बुधवार को सरफराज मुंबई टीम के साथ मौजूद थे, जब दिग्गज खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने खिलाड़ियों के साथ खास संवाद सत्र आयोजित किया था। सरफराज की जगह मुशीर खान के खेलने की उम्मीद जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सरफराज को वायरल बुखार है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत ठीक नहीं है, इसी वजह से वह दिल्ली के खिलाफ मुंबई के पिछले मैच में फील्डिंग के लिए भी मैदान पर नहीं उतर सके थे। यह साफ नहीं है कि वह कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले से पहले फिट होंगे या नहीं।

भारत ने रूसी तेल खरीदना बंद करने, अमेरिका में 500 अरब डॉलर का निवेश का संकल्प लिया : व्हाइट हाउस

» न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने भारत के साथ हुए नए व्यापार समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रमुख अमेरिकी क्षेत्रों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश पर भी सहमति व्यक्त की है। यह बयान व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को दिया। कैरोलिन ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की। दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत न केवल रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

संभवतः वेनेजुएला से भी जिससे हमें पता है कि अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है जिसमें परिवहन, ऊर्जा एवं कृषि उत्पाद भी शामिल हैं। इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप की बदौलत यह एक और शानदार व्यापार समझौता है। इससे पहले, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में कैरोलिन ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार को एक शानदार बातचीत हुई जिसके बाद द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा की गई। इस बीच, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने मंगलवार को सीएनबीसी स्क्रॉक बॉक्स के साथ साक्षात्कार में व्यापार समझौते के तहत भारत के अमेरिकी औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों, जैसे कि फल व सब्जियां पर शुल्क घटाकर शून्य प्रतिशत करने को बड़ी जीत करार दिया। उन्होंने कहा, समय आ गया है और अब समझौता पक्का हो गया है। हम कागजी कार्रवाई पूरी कर लेंगे लेकिन हमें सारी बारीकियां पता हैं। हमें सारी जानकारी है। यह एक बहुत ही बेहतरीन अवसर है। समझौते की जानकारी देते हुए ग्रीर ने कहा कि भारत के साथ औद्योगिक वस्तुओं पर वर्तमान में औसत शुल्क करीब 13.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, यह सभी वस्तुओं पर लगभग शून्य हो जाएगा। लगभग कहने का मेरा मतलब 98-99 फीसदी से है। कृषि क्षेत्र में कृषि उत्पादों की एक विशाल श्रृंखला है। इसलिए यह शुल्क शून्य हो जाएगा। ग्रीर ने कहा अमेरिका समेत दुनिया के हर देश की तरह भारत में भी कुछ खास क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था है, जिन पर हमारा नियंत्रण बना रहेगा। हम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम करते रहेंगे। हालांकि कई चीजों जैसे मेवे, शराब, स्पिरिट , फल, सब्जियां आदि पर लगभग शून्य शुल्क होगा। यह एक बड़ी जीत है।

अमेरिका के औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क को शून्य करेगा भारत : यूएसटीआर

न्यूयॉर्क वॉशिंगटन, भाषा। भारत व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे कि फल और सब्जियों पर शुल्क को घटाकर शून्य प्रतिशत कर देगा। एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने यह बात कही। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते को बड़ी जीत करार दिया और साथ ही कहा कि भारत उन कुछ प्रमुख क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा जिन्हें संरक्षण प्राप्त है। ग्रीर ने सीएनबीसी स्क्रॉक बॉक्स के साथ साक्षात्कार में कहा, समय आ गया है और अब समझौता पक्का हो गया है। हम कागजी कार्रवाई पूरी कर लेंगे लेकिन हमें सारी बारीकियां पता हैं। हमें सारी जानकारी है। यह एक बहुत ही बेहतरीन अवसर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के खिलाफ 18 प्रतिशत का शुल्क स्तर बनाए रखेगा, क्योंकि हमारा उनके साथ बहुत बड़ा व्यापार घाटा है लेकिन उन्होंने कृषि उत्पादों, निर्मित वस्तुओं, रसायनों, चिकित्सा उपकरणों आदि की एक विस्तृत श्रृंखला पर हमारे लिए अपने शुल्क को कम करने पर भी सहमति व्यक्त की है। यह दोनों देशों के लिए एक बेहतरीन मौका है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत के साथ हुए नए व्यापार समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रमुख अमेरिकी क्षेत्रों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश पर भी सहमति व्यक्त की है। कैरोलिन ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की। दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत न केवल रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने के लिए भी प्रतिबद्ध है। संभवतः वेनेजुएला से भी जिससे हमें पता है कि अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है जिसमें परिवहन, ऊर्जा एवं कृषि उत्पाद भी शामिल हैं। इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप की बदौलत यह एक और शानदार व्यापार समझौता है। इससे पहले, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में कैरोलिन ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार को एक शानदार बातचीत हुई जिसके बाद द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा की गई।

सैफ अल-इस्लाम लीबिया के लंबे समय तक तानाशाह रहे कज्जाफी के दूसरे बेटे थे

लीबिया के तानाशाह रहे कज्जाफी के बेटे की हत्या : अधिकारी

» काहिरा, भाषा।

लीबिया के तानाशाह रहे मुअम्मर कज्जाफी के बेटे और कभी उनके उत्तराधिकारी माने जाने वाले सैफ अल-इस्लाम कज्जाफी की हत्या कर दी गई। लीबिया के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लीबिया के मुख्य अभियोजक कार्यालय के अनुसार, 53 वर्षीय सैफ अल-इस्लाम कज्जाफी की हत्या राजधानी त्रिपोली से 136 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित जिंटान कस्बे में हुई। अभियोजक कार्यालय ने बताया कि शुरुआती जांच में यह पता चला कि सैफ अल-इस्लाम की हत्या गोली मारकर की गई है। हालांकि कार्यालय ने हत्या की परिस्थितियों के बारे में विस्तार से नहीं बताया। सैफ अल-इस्लाम के वकील खालिद अल-जैदी ने फेसबुक पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की लेकिन हत्या के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में लंबे समय से जारी संघर्ष को सुलझाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में आयोजित राजनीतिक वार्ता में कज्जाफी का प्रतिनिधित्व करने वाले अब्दुल्लाह ओथमान अब्दुर्हीम ने भी फेसबुक पर उनकी मौत की जानकारी दी। सैफ अल-इस्लाम की राजनीतिक टीम ने बाद में एक बयान जारी करके कहा कि चार नकाबपोश लोगों ने उनके घर पर धावा बोला और कायरों की तरह, छल से उनकी हत्या कर दी। बयान में कहा गया कि उनकी हमलावरों से झड़प हुई जिन्होंने अपने जघन्य अपराधों के सबूत मिटाने के प्रयास में घर के सीसीटीवी कैमरे तक बंद कर दिए। जून 1972 में त्रिपोली में जन्मे सैफ अल-इस्लाम लीबिया के लंबे समय तक तानाशाह रहे कज्जाफी के दूसरे बेटे थे। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पीएचडी की थी और उन्हें कज्जाफी शासन में सुधारवादी चेहरा माना जाता था। मुअम्मर कज्जाफी को 2011 में नाटो समर्थित जन विद्रोह में सत्ता से हटा दिया गया था। कज्जाफी ने 40 से अधिक वर्षों तक लीबिया पर शासन किया था। संघर्ष जारी रहने के बीच अक्टूबर 2011 में उनकी हत्या कर दी गई थी जो बाद में गृहयुद्ध में तब्दील हो गया। तब से देश में अराजकता कायम है और प्रतिद्वंद्वी सशस्त्र समूहों और मिलिशियाओं के बीच बंटा हुआ है। सैफ अल-इस्लाम को 2011 के अंत में जिंटान में लड़ाकों ने उस समय पकड़ लिया था जब वह पड़ोसी देश नाइजर भागने की कोशिश कर रहे थे। लीबिया की प्रतिद्वंद्वी सरकारों में से एक द्वारा माफी दिए जाने के बाद लड़ाकों ने उन्हें जून 2017 में मुक्त कर दिया। तब से वह जिंटान में ही रह रहे थे। लीबिया की एक अदालत ने उन्हें हिंसा भड़काने और प्रदर्शनकारियों की हत्या करने का दोषी ठहराया और 2015 में उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। 2011 के विद्रोह से संबंधित मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा भी वह वांछित थे।

जिल बाइडन के पूर्व पति पर अपनी पत्नी लिंडा स्टीवेन्सन की हत्या करने का आरोप लगाया

विलिंगटन (अमेरिका), भाषा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी जिल बाइडन के पूर्व पति विलियम स्टीवेन्सन पर दिसंबर के अंत में डेलावेयर स्थित घर में अपनी पत्नी लिंडा स्टीवेन्सन की हत्या करने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विलमिंगटन निवासी विलियम स्टीवेन्सन (77) का जिल बाइडन से वैवाहिक रिश्ता 1970 से 1975 तक चला था। डेलावेयर के अटॉर्नी जनरल की प्रवक्ता कैरोलिन हैरिसन ने फोन पर बातचीत में पुष्टि की कि स्टीवेन्सन, जिल बाइडन के पूर्व पति हैं। पूर्व राष्ट्रपति और भूतपूर्व प्रथम महिला के कार्यालय के प्रवक्ता द्वारा ईमेल के माध्यम से दिए गए जवाब के अनुसार, जिल बाइडन ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हत्या के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद पांच लाख अमेरिकी डॉलर की जमानत राशि जमा करने में विफल रहने के कारण स्टीवेन्सन जेल में ही है। उन पर 28 दिसंबर को 64 वर्षीय लिंडा स्टीवेन्सन की हत्या का आरोप है। विज्ञप्ति के अनुसार, रात 11 बजे के बाद घरेलू विवाद की सूचना पर पुलिस को घर बुलाया गया और उन्होंने बैठक कक्ष में एक महिला को बेहोश पाया। लिंडा स्टीवेन्सन के शोक संदेश के मुताबिक, वह व्यवसाय करती थी और उन्हें परिवार-उन्मुख मां और दादी बताया गया है। हालांकि शोक संदेश में उनके पति का कोई जिक्र नहीं है। जिल बाइडन ने 1977 में अमेरिकी सीनेटर जो बाइडन से शादी की। जो बाइडन जनवरी 2021 से जनवरी 2025 तक अमेरिकी राष्ट्रपति रहे।

न्यूज ब्रीफ

मुक्तिनाथ तीर्थयात्रा को बढ़ावा देने के लिए नेपाल और भारत के बीच सीधी बस सेवा शुरू

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल की बेनी नगरपालिका को भारत की राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने वाली सीधी बस सेवा शुरू की गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, इस बस सेवा के जरिए प्रसिद्ध हिंदू और बौद्ध तीर्थस्थल मुक्तिनाथ की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। बेनी को नेपाल के गंडकी प्रांत के मुस्तांग जिले में स्थित प्राचीन विष्णु मंदिर मुक्तिनाथ का प्रवेश द्वार माना जाता है। मुक्तिनाथ मंदिर, हिंदू और बौद्ध दोनों समुदाय के लोगों के लिए पवित्र है। मुक्तिनाथ को मुक्ति के देवता के रूप में जाना जाता है। हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयाई इसे क्रमशः हिंदू देवता विष्णु और बौद्ध देवता अवलोकितेश्वर से संबंधित पवित्र स्थान मानकर इसकी पूजा करते हैं।

मॉडर्न एरा टूर्स एंड ट्रेवल्स और सृष्टि यातायात प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से नेपाल-भारत मैत्री बस सेवा शुरू की गई है। उपमहापौर ज्योति लामिछाने के अनुसार, बेनी नगरपालिका के महापौर सूरत केसी ने इसका उद्घाटन किया। लामिछाने ने बताया कि बस सेवा बेनी कालीपुल बस पार्क से शुरू होगी और स्यांगजा, वालिंग, भैरहवा, अयोध्या और आगरा से होते हुए नई दिल्ली पहुंचेगी। मॉडर्न एरा टूर्स एंड ट्रेवल्स के अध्यक्ष केशव प्रसाद अधिकारी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य म्याग्दी और मुस्तांग के धार्मिक स्थलों को भारत से जोडना और भारत से नेपाल में पर्यटन को बढ़ावा देना है। अब तक, मुक्तिनाथ मंदिर की यात्रा करने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को समय लेने वाली और कई चरणों वाली महंगी यात्राएं करनी पड़ती थीं। अधिकारी ने बताया कि बस सेवा के जरिए नई दिल्ली से बेनी पहुंचने में करीब 27 घंटे लगेंगे। बेनी से प्रतिदिन सुबह 6:45 बजे और नई दिल्ली से शाम 4:00 बजे बसें चलेंगी। बेनी-नई दिल्ली मार्ग का किराया 5,400 नेपाली रुपए जबकि नई दिल्ली से बेनी का किराया 3,200 भारतीय रुपए निर्धारित किया गया है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने बसंत उत्सव पर दो दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया

» लाहौर, भाषा।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने दो दशकों बाद मनाए जा रहे बसंत उत्सव के उपलक्ष्य में छह और सात फरवरी को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। इस संबंध में मंगलवार को मरियम नवाज के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने एक अधिसूचना जारी की।

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, पंजाब में पांच फरवरी को कश्मीर दिवस, छह फरवरी को प्रांतीय बसंत की छुट्टी और उसके बाद शनिवार और रविवार को लंबी छुट्टी का आनंद मिलेगा। हमें उम्मीद है कि पंजाब के लोग इस समय का सदुपयोग आराम करने, तरोताजा होने और छुट्टी का भरपूर लाभ उठाने के लिए करेंगे।

अमेरिकी अदालत ने उड़ान के दौरान यौन उत्पीड़न करने के मामले में भारतीय नागरिक को दोषी करार दिया

» न्यूयॉर्क, भाषा।

अमेरिका की एक संघीय जिला अदालत ने एक भारतीय नागरिक को विमान में महिला का यौन उत्पीडन करने के मामले में दोषी करार दिया है। बिना वैध नागरिकता के रह रहे वरुण अरोड़ा (38) को मई में सजा सुनाई जाएगी और उसे दो साल तक की जेल की सजा हो सकती है।

अदालती विवरण और मुकदमे में पेश किए गए सबूतों के अनुसार, अगस्त 2024 में रोड आइलैंड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए विमान के उतरने के दौरान अरोड़ा ने महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था। स्लीप मास्क पहन कर अरोड़ा सोने का नाटक करता रहा और पीड़िता द्वारा बार-बार उसका हाथ हटाने के बावजूद वह अपना हाथ उसके शरीर पर रखता रहा।

उत्तरी नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने कम से कम 13 लोगों की हत्या की

» अबुजा (नाइजीरिया), भाषा।

उत्तरी नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने कम से कम 13 लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस प्रवक्ता अबू बकर सादिक अलीयु ने एक बयान में कहा कि खतरनाक हथियारों से लैस हमलावरों ने मंगलवार को उत्तर पश्चिमी कटसीना राज्य के फास्करी क्षेत्र के डोमा गांव में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि दोषियों की पहचान करने के लिए जांच जारी है।

इजराइली हमले में गाजा के 17 लोगों की मौत

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी), भाषा। गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 17 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। वहीं, इजराइल का कहना है कि आतंकियों की तरफ से की गई गोलीबारी में उसका एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसने जवाबी कार्रवाई की। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि इजराइली गोलीबारी में सात महिलाओं और पांच बच्चों की मौत हो गई। दस अक्टूबर, 2025 को लागू हुए संघर्षविराम के बाद से फलस्तीनियों की मौत की ए ताजा घटना है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते के लागू होने के बाद से इजराइली गोलीबारी में 530 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सेल्मिया ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, गाजा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ नरसंहार वाली जंग जारी है। संघर्षविराम कहां है? मध्यस्थ कहां हैं? अस्पताल ने बताया कि बुधवार सुबह इजराइली सैनिकों ने उत्तरी गाजा के तुफाह इलाके में एक इमारत पर गोलीबारी की।

रूस ने ड्रोन और मिसाइलों से यूक्रेन पर किया हमला

» कीव, भाषा।

रूस ने यूक्रेन पर रात भर भीषण हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि यह हमला ऊर्जा ठिकानों को निशाना नहीं बनाने के वादे का उल्लंघन है। यह बमबारी ऐसे समय हुई है जब दोनों देश चार साल पहले शुरू हुए युद्ध को खत्म करने के लिए अगले दौर की बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन पर हुए इस हमले में सैकड़ों ड्रोन और रिकॉर्ड 32 बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया।

इस हमले में कम से कम 10 लोग घायल हो गए। रूस ने विशेष रूप से पावर ग्रिड को निशाना बनाया है। जेलेंस्की ने कहा, रूस के लिए कूटनीति से ज्यादा महत्वपूर्ण है सर्दियों के सबसे ठंडे दिनों का फायदा उठाकर लोगों को आतंकित करना। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) महासचिव मार्क रूट ने एकजुटता दिखाने के लिए कीव का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वार्ता की पूर्व संध्या पर हुए इन हमलों ने रूस के इरादों पर संदेह पैदा कर दिया है। उन्होंने इसे शांति प्रयासों की दिशा में एक बेहद बुरा संकेत करार दिया। अधिकारियों का कहना है कि रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के बीच हाल की बातचीत सकारात्मक रही लेकिन एक साल की कोशिशों के बाद भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को अब तक बड़े मुद्दों पर कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। इनमें सबसे बड़ा सवाल यह है कि रूस की सेना के कब्जे वाली यूक्रेनी जमीन किसके पास रहेगी। इसलिए किसी व्यापक समझौते की संभावना अभी कम लगती है। यह वार्ता संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में बुधवार और बृहस्पतिवार को होनी है।

नौका और तटरक्षक पोत की टक्कर में 14 लोगों की मौत

» एथेंस, भाषा।

यूनान के चिओस द्वीप के पास शरणार्थियों को ले जा रही एक नौका और यूनान तटरक्षक बल के एक गश्ती पोत के बीच हुई टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। तटरक्षक बल ने मंगलवार देर रात यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों की तलाश के लिए व्यापक खोज एवं बचाव अभियान जारी है, जिसमें गश्ती नौकाएं, एक हेलीकॉप्टर और गोताखोरों की भी मदद ली जा रही है। तटरक्षक बल ने बताया कि हादसे के बाद लगभग 11 बच्चों सहित 25 अन्य शरणार्थियों को सुरक्षित बचाकर चिओस द्वीप के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना में घायल हुए यूनान तटरक्षक बल के दो अधिकारियों को भी अस्पताल ले जाया गया है। तटरक्षक बल के अनुसार, अब तक 14 शव बरामद किए गए हैं जिनमें 11 शव पुरुषों और तीन महिलाओं के हैं। तटरक्षक बल ने यह भी बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि शरणार्थियों को ले जा रही नौका पर कुल कितने लोग सवार थे। लापता यात्रियों की तलाश में चार गश्ती जहाजों, वायुसेना के एक हेलीकॉप्टर और गोताखोरों की मदद ली जा रही है। तटरक्षक बल ने बताया कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि टक्कर वास्तव में कैसे हुई, न ही मृतकों की पहचान या नौका पर सवार अन्य यात्रियों के बारे में कोई विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध हो सकी है। यूनान के सरकारी अस्पताल कर्मचारियों के संघ के प्रमुख मिखालिस जियानाकोस ने कहा कि चिओस के अस्पताल में अचानक बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने के मद्देनजर सभी कर्मचारी अलर्ट पर हैं। पश्चिम एशिया, अफ्रीका और एशिया में संघर्ष और गरीबी से बचकर लोग यूनान के रास्ते यूरोपीय संघ के देशों में जाने की कोशिश करते हैं और अक्सर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं।

ओमान में शुक्रवार को होगी ईरान एवं अमेरिका के बीच वार्ता ईरानी मीडिया

दुबई, भाषा। ईरान और अमेरिका के बीच शुक्रवार को ओमान में वार्ता होगी। ईरानी मीडिया ने बुधवार को यह खबर दी। पिछले महीने राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन पर तेहरान की सख्त कार्रवाई को लेकर उसके (ईरान) और अमेरिका के बीच काफी तनाव बना हुआ है। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसियोंआईएसएनए और तसनीम के साथ-साथ स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क ने भी खबर दी है कि शुक्रवार को ओमान में वार्ता होगी। ओमान ने तत्काल यह स्वीकार नहीं किया कि वह वार्ता की मेजबानी करेगा। हालांकि पहले ओमान ने ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता के कई दौरों की मेजबानी की थी। अमेरिका ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वार्ता ओमान में होगी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने कहा कि मंगलवार को अमेरिका द्वारा एक ईरानी ड्रोन को मार गिराए जाने और तेहरान द्वारा अमेरिकी ध्वज वाले जहाज को रोकने का प्रयास किए जाने के बावजूद उसे वार्ता होने की उम्मीद है। बुधवार को कार्यकर्ताओं ने कहा कि ईरान सरकार की कार्रवाई में गिरफ्तारियों की संख्या 50,000 से अधिक हो गई है। यह जानकारी अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी ने दी है, जिसने ईरान में अशांति के अन्य दौरों में भी सटीक आंकड़े दिए हैं। कार्यकर्ताओं के मुताबिक, ईरान सरकार द्वारा प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में कम से कम 50,834 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में कम से कम 6,876 लोगों की मौत हुई है। हालांकि आशंका है कि मरने वालों की संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

ईरान के मुद्दे पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ फोन पर चर्चा की : ट्रंप

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने ईरान के मुद्दे पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ फोन पर चर्चा की। ईरान को अलग-थलग करने के लिए चीन और अन्य देशों पर दबाव बनाने के अमेरिकी प्रशासन के प्रयासों के बीच दोनों नेताओं ने बातचीत की है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने चिनफिंग से व्यापार और ताइवान समेत अमेरिका-चीन संबंधों से जुड़े मुद्दों और अप्रैल में चीन यात्रा की अपनी योजना पर भी बात की। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने पर लगातार जोर दे रहे ट्रंप ने पिछले महीने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि वह ईरान से कारोबार करने वाले देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत तक कर लगाएंगे। परमाणु कार्यक्रम को रोकने के लिए ईरान पर वर्षों से लागू पाबंदियों के कारण देश अलग-थलग पड़ गया है। हालांकि विश्व व्यापार संगठन के अनुसार 2024 में ईरान ने 125 अरब अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय व्यापार किया, जिसमें से 32 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार चीन से हुआ।

दो दिवसीय वार्ता तीनों प्रतिनिधिमंडलों की उपस्थिति में शुरू हुई

अमेरिका की मध्यस्थता में हुई वार्ता के लिए रूस और यूक्रेन के दूत अबू धाबी में मिले

» कीव, भाषा।

रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के मकसद से अमेरिका की मध्यस्थता में वार्ता के अगले दौर लिए दोनों देशों के दूत बुधवार को अबू धाबी में मिले। एक यूक्रेनी वार्ताकार ने यह जानकारी दी। बैठक में मौजूद यूक्रेन राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के प्रमुख रुस्तम उमेरोव ने सोशल मीडिया पर बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इस वार्ता में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडलों के साथ अमेरिकी अधिकारी भी शामिल हुए। उमेरोव ने कहा कि योजनाबद्ध दो दिवसीय वार्ता तीनों प्रतिनिधिमंडलों की उपस्थिति में शुरू हुई।

व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिकी टीम में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर हैं, जिन्होंने पिछले महीने की बैठक में भी भाग लिया था। वर्तमान वार्ता ऐसे समय में हो रही है जब बृहस्पतिवार को रूस और अमेरिका के बीच परमाणु हथियार के आखिरी समझौते का समय समाप्त हो रहा है। ट्रंप और पुतिन परमाणु हथियारों की होड़ को रोकने के प्रयास में संधि की शर्तों को आगे बढ़ा सकते हैं या उस पर पुनर्विचार कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए पिछले महीने अमीरात की राजधानी में अमेरिका के प्रयासों के हिस्से के रूप में हुई वार्ता में कुछ प्रगति हुई लेकिन प्रमुख मुद्दों पर कोई निर्णायक सफलता नहीं मिली। अबू धाबी वार्ता यूक्रेन में रूसी ऊर्जा प्रणाली पर हो रहे बड़े हमलों को लेकर व्याप्त आक्रोश के बीच हुई। रूस ने 24 फरवरी 2022 को अपने पड़ोसी देश पर पूर्ण आक्रमण शुरू किया था। रूस ने मंगलवार रात भीषण हमले में सैकड़ों ड्रोन और रिकॉर्ड 32 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं, जिनमें कम से कम 10 लोग घायल हो गए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com